RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 140 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 14-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अधिकांश खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार हैं : वर्मा

6 सूबेदार मोहनराम : गोलियों की बौछार में ग्रामीणों के लिए बने रक्षक

7 ओपोर्च्युनिस्ट होने में कोई बुराई नहीं है : नुसरत भरुचा

फर्स्ट टेक

जासूसी के आरोप में भारतीय वायु सेना का सेवानिवृत्त जवान गिरफ्तार

तेजपुर/भाषा। असम के सोनितपुर जिले में पाकिस्तानी जासूसों से कथित संबंधों के आरोप में भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त जवान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिचरण भूमिज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी जासूस के साथ संवेदनशील दस्तावेज और जानकारी साझा की थी। पुलिस ने उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। भूमिज ने बताया कि उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, हालांकि कुछ डेटा को 'डिलीट' किया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गुजरात के कच्छ जिले में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को 3.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप का झटका दोपहर 2:47 बजे आया, जिसका केंद्र जिले के गढ़शीशा से 13 किलोमीटर उत्तर उत्तर-पूर्व (एनएई) में था। कच्छ में इस माह रिक्टर पैमाने पर तीन से अधिक तीव्रता का महसूस किया गया यह पांचवा भूकंप है। आईएसआर के अनुसार, शुक्रवार को जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया, जबकि बुधवार को 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

मंगलुरु और विजयपुरा में प्लास्टिक पार्क स्थापित किए जाएंगे : पाटिल

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने शनिवार को कहा कि मंगलुरु और विजयपुरा जिले में विशेष प्लास्टिक पार्क स्थापित करके राज्य सरकार राज्य के प्लास्टिक क्षेत्र के विकास में तेजी लाने का कदम उठा रही है और ये पार्क पॉलिमर और प्लास्टिक उद्यमों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी)' कुशल मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने और पॉलिमर विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मंगलुरु प्लास्टिक पार्क के भीतर एक नया परिसर स्थापित करेगा।

14-12-2025 सूर्यास्त 5:44 बजे | 15-12-2025 सूर्योदय 6:23 बजे

BSE	NSE
85,267.66 (+449.52)	26,046.95 (+148.40)

सोना	चांदी
13,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	207,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नेता गुण

नेता होते हैं बाजीगर,
मुद्दों से ध्यान बँटाने में।
होते हैं पूरे व्यापारिक,
रिश्तों को जोड़-घटाने में।
पूरे होते हैं क्रूर कुशल,
पथ कंटक दूर हटाने में।
जिस पर उनका दिल आ जाए,
पल लगता उसे पटाने में।।

'समान न्यायिक नीति' पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रौद्योगिकी अब केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं रही है। यह एक संवैधानिक औजार बन गई है, जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करती है।

जैसलमेर/भाषा। 'एकीकृत न्यायिक नीति' पर जोर देते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अदालतों के बीच मानकों और प्रक्रियाओं को एकरूप बनाने में मदद कर सकती है, जिससे नागरिकों को उनके स्थान की परवाह किए बिना एक 'सुगम और निर्बाध अनुभव' मिल सके। उन्होंने कहा कि संघीय ढांचे के कारण उच्च न्यायालयों की अपनी-अपनी प्रक्रियाएं और तकनीकी क्षमताएं रही हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी की मदद से इन क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़कर एक अधिक एकीकृत न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सकता है।

जैसलमेर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा प्रस्तावित की और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के साथ भारत की न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, आज, जब प्रौद्योगिकी भौगोलिक बाधाओं को कम कर रही है और एकीकरण को संभव बना रही है, यह हमें न्याय को अलग-अलग क्षेत्रीय प्रणालियों के रूप में नहीं, बल्कि साझा मानकों, सुगम इंटरफेस और समन्वित लक्ष्यों वाले एक राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में सोचने के लिए आमंत्रित करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय के साथ न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी की भूमिका कैसे बदली है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अब केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं रही है। यह एक संवैधानिक औजार बन गई है, जो कानून के समक्ष समानता को मजबूत करती है, न्याय तक पहुँच को व्यापक बनाती है और संस्थागत दक्षता को बढ़ाती है। इस प्रकार, उन्होंने डिजिटल उपकरणों की मदद से न्यायिक प्रणाली में मौजूद खामियों और अंतराल को पाटने की क्षमता पर प्रकाश डाला।'' उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि कैसे 'डिजिटल टूल' न्यायिक प्रणाली की कमियों को दूर कर सकते हैं।

भारत की भावी युद्ध शक्ति 'जेएआई' पर आधारित होगी : जनरल चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

युद्ध केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई से जीते जा सकते हैं।

हैदराबाद/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि देश की भविष्य की युद्ध शक्ति तीन स्तंभों - संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार - से संचालित होगी। चौहान ने इन तीनों तत्वों को सामूहिक रूप से 'जेएआई' कहा।

हैदराबाद के पास दुंडिक्कल स्थित वायुसेना अकादमी में 'कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी)' का निरीक्षण करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि भले ही अभियानों की तीव्रता कम हो गई हो, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है। उन्होंने कहा, ''हमारी ताकत हर घंटे, हर दिन सतर्क रहने की क्षमता में निहित होगी।''

किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन को दर्शाने वाले घटनाक्रम अक्सर हमारे आसपास ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई से जीते जा सकते हैं।

जनरल चौहान ने कहा, ''हमारे आसपास अक्सर ऐसे घटनाक्रम देखने को मिलते हैं जो संस्थागत कमजोरी और प्रतिक्रियात्मक समायोजन का संकेत देते हैं। इसके विपरीत, भारत की ताकत मजबूत संस्थाओं, लोकतांत्रिक स्थिरता और हमारे सशस्त्र बलों के अटूट पेशेवर अंदाज पर आधारित है।''

सीडीएस ने नवनियुक्त अधिकारियों से कहा कि वे भारतीय वायु सेना में ऐसे समय में प्रवेश कर रहे हैं जब सशस्त्र बलों में गहन परिवर्तन का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त अधिकारियों का आगे का सफर 'जय हिंद' के पहले शब्द 'जेएआई' से निर्देशित होगा। उन्होंने कहा,'' संयुक्तता का अर्थ है एक राष्ट्र और एक सेना के रूप में लड़ना, और आत्मनिर्भरता का अर्थ है भरोसेमंद मंच और प्रणालियां जो न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के लिए भी बनाई गई हों। '' उन्होंने कहा कि नवाचार का अर्थ है दूरदर्शी सोच रखना और समय से आगे रहना। उन्होंने कहा, ''ये तीन स्तंभ भारत की युद्ध शक्ति के भविष्य को आकार देंगे।'' जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध और युद्धकला एक बड़ी क्रांति की दहलीज पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एकता और सांस्कृतिक गौरव का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजयपुरम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को हिंदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने की अपील की कि हर राष्ट्र का एक दायित्व होता है जिसे उसे निभाना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे प्राप्त करना होता है। यहां नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है।

उन्होंने कहा, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है...भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है।

भागवत ने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा, यदि हिंदू जागृत हों, तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग प्रशस्त करेगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय, हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है, और शक्ति केवल एकता से ही प्राप्त होती है।

भगवान कृष्ण और वन में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कथा सुनाते हुए, भागवत ने कहा कि टकराव हमेशा समाधान नहीं होता है। उन्होंने कहा, अर्जुन और सात्यकी ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार के साथ वह और बड़ा होता गया।

संघर्षों को पार कर तमिलनाडु की पोनशर्मिनी बनीं वायुसेना में 'फ्लाइंग ऑफिसर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। साधारण दर्जी परिवार से आने वाली तमिलनाडु की आर पोनशर्मिनी शनिवार को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुईं। उनकी यह कहानी अटल संकल्प और संघर्ष पर विजय की मिसाल है।

रक्षा विज्ञप्ति के अनुसार, पोनशर्मिनी का जन्म तिरुनेलवेली में हुआ और वह चेन्नई में पली-बढ़ीं। उनके माता-पिता दर्जी का काम करते थे। स्कूल और कॉलेज के दिनों में एक सक्रिय एथलीट और एनसीसी कैडेट होने के कारण पोनशर्मिनी ने शुरुआत में एक पेशेवर खिलाड़ी बनने का सपना देखा था। हालांकि, आर्थिक कठिनाइयों ने उन्हें उस सपने को छोड़ने और पूरी तरह से शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विवश कर दिया। उन्होंने कई छात्रवृत्तियां अर्जित कीं और परिवार का बोझ कम करने के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने से लेकर टूर गाइड तक के अंशकालिक कार्य किए। स्नातक होने के बाद उन्होंने एक ऐसी संस्था में कार्य किया जहां उन्हें सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों के अधीन काम करने का अवसर मिला। उनके अनुभवों ने पोनशर्मिनी की वर्दी पहनने की बचपन की इच्छा को फिर से जागृत कर दिया।

हनुमान जयंती

मैसूरु में शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न मंदिरों और शोभायात्राओं में भाग लिया। भजन, कीर्तन और जयकारों के बीच भक्तों ने पूजा-अर्चना की और भगवान हनुमान के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

ट्रंप के युद्धविराम के दावे के बावजूद थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर लड़ाई जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

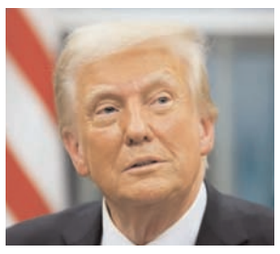

सुरिन (थाईलैंड)/एपी। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर शनिवार सुबह भी लड़ाई जारी रही। ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए घोषणा की कि उन्होंने दोनों देशों से युद्धविराम के लिए सहमति प्राप्त कर ली है।

थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा है कि वे युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हैं, और कंबोडिया ने ट्रंप के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने शनिवार सुबह हवाई हमले किए। कंबोडियाई मीडिया ने ट्रंप के दावे को बिना विस्तार से बताए प्रकाशित किया।

सात दिसंबर को हुई एक झड़प के बाद से बड़े पैमाने पर लड़ाई शुरू हुई। इस झड़प में थाईलैंड के दो सैनिक घायल हो गए। इसने क्षेत्रीय विवादों के कारण जुलाई में पांच दिन तक चले संघर्ष को खत्म करने के लिए ट्रंप की पहल पर हुए युद्धविराम को पटरी से उतार दिया।

जुलाई में हुए युद्धविराम में मलेशिया ने मध्यस्थता की थी और ट्रंप के दबाव के चलते इसे लागू करवाया गया था। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर थाईलैंड और कंबोडिया सहमत नहीं हुए तो वे व्यापारिक विशेषाधिकार रोक देंगे। अक्टूबर में मलेशिया में हुई एक क्षेत्रीय बैठक में इसे और अधिक विस्तार से औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें ट्रंप भी उपस्थित थे। पिछले सप्ताह हुई लड़ाई में आधिकारिक तौर पर लगभग दो दर्जन लोग मारे गए थे, जबकि सीमा के दोनों ओर लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं।

थाईलैंड की सेना ने अपने 11 सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की है, जबकि कंबोडियाई सैनिकों में हताहतों की संख्या 165 बताई गई है। कंबोडिया ने सैन्य कर्मियों के हताहतों होने की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उसने कहा है कि कम से कम 11 नागरिक मारे गए हैं और 76 घायल हुए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल और कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेत से बात करने के बाद युद्धविराम को फिर से लागू करने के समझौते की घोषणा की।

इंडिगो की 90 प्रतिशत उड़ानों का परिचालन सामान्य हुआः मोहोल

पुणे/भाषा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने शनिवार को कहा कि इंडिगो की लगभग 90 प्रतिशत उड़ानों का परिचालन सामान्य हो गया है। मोहोल ने पुणे में संवाददाताओं से वार्ता में यह बात कही। यहां उन्होंने फर्ग्यूसन कॉलेज में पुणे पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन में शिरकत की। हाल ही में इंडिगो में उत्पन्न संकट के बारे में पूछे जाने पर मोहोल ने कहा, देश में हवाई सेवाएं धीरे-धीरे फिर से सामान्य हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने निर्देश जारी किए हैं और इंडिगो से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनकी लगभग 90 प्रतिशत उड़ान सेवाएं सामान्य स्थिति में लौट आई हैं। इंडिगो ने उड़ान सुरक्षा संबंधी नियमों पर अमल में विफल रहने के बाद देशभर में हजारों उड़ानें रद्द कर दी थीं।

चक्रवात प्रभावित श्रीलंका के पुनर्निर्माण में साथ खड़ा रहेगा भारत : राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। चक्रवात 'दित्वा' के बाद राहत, पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रयासों में भारत श्रीलंका के साथ खड़ा रहेगा। भारतीय राजदूत ने श्रीलंका के मध्य प्रांत के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक के दौरे के दौरान यह बात कही।

नवंबर के मध्य से ही श्रीलंका में भीषण बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे को हुए गंभीर नुकसान के कारण कई जिले अलग-थलग पड़ गए और देश की आपदा प्रबंधन क्षमता पर भारी दबाव पड़ा है। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने शुक्रवार को कैंडी जिले के नेलुम्माला गांव का दौरा किया, जहां भूस्खलन में 13 घर नष्ट हो गए, 13 लोगों की मौत हो गई और आठ लोग लापता बताये जा रहे हैं।

झा ने इस आपदा पर शोक व्यक्त किया और प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति व एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने मुश्किल समय में श्रीलंका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को याद करते हुए दोहराया कि नई दिल्ली चक्रवात के मद्देनजर त्वरित और बहुआयामी सहायता प्रदान कर रही है।

पाकिस्तान के दो विश्वविद्यालयों ने संस्कृत पाठ्यक्रम शुरू किए

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दो विश्वविद्यालयों ने विभाजन के बाद पहली बार साझा विरासत का हवाला देते हुए संस्कृत में लघु पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और भविष्य में गीता व महाभारत पढ़ाने की योजना बना रहे हैं। पंजाब लाहौर विश्वविद्यालय (सरकारी) और लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (निजी) ने इस शास्त्रीय भाषा में तीन महीने का पाठ्यक्रम शुरू किया है। शिक्षक भविष्य में शोध के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में मौजूद संस्कृत पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संग्रह पर निर्भर हैं। लघु अवधि के पाठ्यक्रमों की तैयारी पिछले वर्ष शुरू हो गई थी लेकिन इस पहले पाठ्यक्रम में प्रवेश 2025 में शुरू हुआ।

शॉपिंग फेस्टिवल

अहमदाबाद में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 की विजेता निकिता पोर्वाल (सामने दाईं ओर) और सौंदर्य प्रतियोगिता की प्रथम उपविजेता रेखा पांडे (सामने बाईं ओर) गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार, 13 दिसंबर 2025 को आयोजित 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल' के तहत हुए फैशन शो के दौरान अन्य मॉडलों के साथ रैंप पर चलते हुए।

सहज स्मृति योग

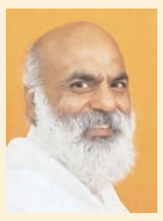

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: धर्म का आधार क्या है? मानव को धर्म क्यों चाहिए ? संसार भर में धर्म की इतनी चर्चा क्यों होती है ? क्या केवल विकास की गति में पिछड़े देश ही धर्म की चर्चा करते हैं ? और क्या जो संपन्न हो जाते हैं वे धर्म-चर्चा से विरत हो जाते हैं ?

उत्तर: धर्म का आधार पूर्ण विकसित हुई आध्यात्मिक चेतना है। धर्म मानव को पूर्ण विकसित चेतना का स्वाभाविक आनंद लेने के लिए चाहिए। धर्म जीवन का सहज स्वाभाविक नित्य नूतन व्यवहार है। निरंतर प्रगति करती और विकसित होती मानवी सभ्यता और संस्कृति पारस्परिक व्यवहार और व्यक्तिगत आचरण का निर्धारण करती है जो संवाद-रत रहकर निरंतर धर्म-चर्चा से ही संभव होता है। पिछड़े देश समाज परिवार और व्यक्ति धर्म-चर्चा के नाम से अक्सर दकियानूसीपने की बातें करते हैं।विकसित समाजों, देशों और परिवारों और व्यक्तियों के बीच में धर्म चर्चा तत्त्सम् रूप में होती है। जो संपन्न हो जाते हैं वे धर्म चर्चा से विरत नहीं होते क्योंकि संपन्नता तो आती ही हमारे धर्माचरण करने से है।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार 'खाओ पियो मौज करो' की मानसिकता से काम कर रही : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार बेपरवाह मानसिकता के साथ काम कर रही है तथा वह केंद्र द्वारा आवंटित की गयी धनराशि का इस्तेमाल करने में विफल रही है , इसलिए उसे सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा, ''हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार 'खाओ पिया मौज करो, आगे किसने देखा है' की मानसिकता से काम कर रही है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'राज्य का विकास सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका 'डबल इंजन' सरकार है।'

नड्डा ने यहां एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार तथा केंद्र द्वारा मकान-निर्माण, सड़क मरम्मत और 'स्मार्ट सिटी' के निर्माण समेत विभिन्न मदों के तहत दी गयी धनराशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने केंद्र द्वारा राज्य को पर्याप्त धनराशि नहीं देने के कांग्रेस सरकार के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने दावा किया, '' आपदा राहत के लिए 3,789 करोड़ रुपए तथा स्मार्ट सिटी के लिए 1,000 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि दी गयी। इसके अलावा 'वाइब्रेंट विलेज' विकास, चिकित्सा महाविद्यालयों, बिलासपुर में एम्स, एक विशाल औषधि क्षेत्र, चार लेन वाले राजमार्गों के लिए भी पैसे दिये गये। बद्दी को राज्य में एक दवा केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भी पैसे दिए गए। फिर भी कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के भोले-भाले लोगों को गुमराह करने और झूठी बातें फैलाने का काम जारी रखे हुए है।''

जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकी हमलों के पीड़ितों को सशक्त बना रहा: मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को इस बात पर दुख जताया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने आतंकवाद के पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज किया और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अब ऐसे लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उपराज्यपाल ने श्रीनगर स्थित लोक भवन में कश्मीर घाटी में आतंकी हमलों के 39 पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद ये टिप्पणियां कीं।

सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज कश्मीर संभाग में आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इन परिवारों के लिए न्याय का लंबा इंतजार आज खत्म हुआ। पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाकर हमने उनकी गरिमा बहाल की और व्यवस्था में उनका विश्वास जगाया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने न केवल जानें लीं, बल्कि परिवारों को भी तबाह कर दिया और निर्दोष लोगों को दशकों की चुप्पी, कलंक और गरीबी में धकेल दिया। सिन्हा ने कहा, आतंकवादियों द्वारा की गई हर क्रूर हत्या के पीछे एक ऐसे परिवार की कहानी छिपी है, जो कभी उबर नहीं पाया, उन बच्चों की कहानी छिपी है, जो अभिभावक के बिना बड़े हुए। लंबे समय तक, प्रशासन ने इन परिवारों के दर्द और पीड़ा को नजरअंदाज किया। उन्होंने आरोप लगाया, आतंकवाद के असली पीड़ितों और सच्चे शहीदों को आतंकी तंत्र के तत्वों द्वारा सताया गया। एक ओर, आतंकवादियों के सहयोगियों को सरकारी नौकरियों में नियुक्त किया गया, वहीं दूसरी ओर, आतंकवाद के पीड़ितों के परिजनों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।

अब मप के नक्सल मुक्त इलाकों को विशेष पैकेज देंगे, आदर्श जिले बनाएंगे : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के नक्सल मुक्त होने के बाद शनिवार को कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों को विशेष पैकेज देकर आदर्श जिलों के रूप में विकसित करेगी ताकि वे प्रदेश के अन्य समृद्ध जिलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा करने के अवसर पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में यादव ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान उसने नक्सलवाद की चुनौती को नजरअंदाज किया जबकि उनकी ही पार्टी के कई नेता इसके शिकार बने। अब नक्सल मुक्त हो चुके मध्यप्रदेश के इलाकों के लिए सरकार की योजना के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''नक्सलवाद से प्रभावित रहे बालाघाट, मंडला और डिंडोरी के लिए हम विशेष पैकेज लेकर आ रहे हैं और अच्छी योजनाएं बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भविष्य में यह तीनों आदर्श जिले बनें, इसके लिए काम किया जा रहा है। नक्सलवाद के कारण इन जिलों के लिए 20-25 साल बहुत खराब रहे। हम बहुत ठोस योजना बना रहे हैं ताकि विकास की राह में पीछे छूट गए ये जिले अन्य जिलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें।''

पुणे में 'सबसे अधिक पोस्टर प्रदर्शित करने' का विश्व रिकॉर्ड बना

पुणे/भाषा। पुणे में 'सबसे अधिक पोस्टर प्रदर्शित करने' की श्रेणी में एक विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एक निर्णायक ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर ने कहा, ''भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए पोस्टर को सबसे अधिक लंबाई में प्रदर्शित करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।'' आयोजकों ने बताया कि फर्ग्यूसन कॉलेज में आयोजित एक पुस्तक महोत्सव के दौरान जनजातीय शब्दों को दर्शाते हुए 1,678 पोस्टर प्रदर्शित कर यह रिकॉर्ड बनाया गया। इसके साथ ही फरवरी 2025 में अमेरिका में बना 1,365 पोस्टर का पिछला रिकॉर्ड टूट गया।

प्रमाणपत्र में उल्लेख किया गया कि सबसे अधिक पोस्टर प्रदर्शित करने का विश्व रिकॉर्ड पुणे में 12 दिसंबर को पुस्तक महोत्सव, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ और आरआईएसई फाउंडेशन द्वारा बनाया गया। आयोजकों ने कहा कि यह रिकॉर्ड आदिवासी नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि है, जिनके जीवन और कार्यों पर महोत्सव में एक विशेष मंडप के माध्यम से प्रकाश डाला जा रहा है। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा आयोजित पुणे पुस्तक महोत्सव 13 से 21 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के संयोजक राजेश पांडे ने कहा, ''आदिवासी समाज और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में बिरसा मुंडा के योगदान को याद करने के लिए एक समर्पित बिरसा मुंडा दीर्घा स्थापित की गई है। इस पहल के तहत आदिवासी शब्दावली वाले पोस्टर प्रदर्शित करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया।'' सामाजिक कार्यकर्ता एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित गिरीश प्रभुणे ने कहा कि बिरसा मुंडा का काम बहुआयामी था। उन्होंने कहा कि लुप्त होती बोलियों को संरक्षित किए जाने की जरूरत है।

55 प्रतिशत भारतीयों की सर्दियों में घूमने की योजना, गोवा और केरल सबसे आगे : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयरबीएनबी की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 55 प्रतिशत भारतीयी हर साल सर्दियों में घूमने की योजना बनाते हैं और इस दौरान गोवा और केरल उनकी शीर्ष पसंद रहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय सर्दियों में केवल छुट्टियां मनाने के लिए ही नहीं, बल्कि तनाव से दूर होकर आराम करने के लिए से भी यात्रा करते हैं।

एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के 'कंट्री हेड' अमनप्रीत बजाज ने कहा, ''इस सर्दी के मौसम में गोवा, केरल, राजस्थान और हिमालयी राज्य घरेलू यात्रा में सबसे आगे हैं।'' उन्होंने एयरबीएनबी के आंतरिक आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 55 प्रतिशत भारतीय हर साल सर्दियों में यात्रा की योजना बनाते हैं, जिससे यह पता चलता है कि अनुकूल मौसम तथा मनमोहक नजारों के कारण सर्दी भारत में घूमने के पसंदीदा मौसमों में से एक बन चुकी है।

इन लोकप्रिय स्थलों के साथ ही लक्षद्वीप, गुवाहाटी, पंजाब के छोटे शहर और केरल के कम प्रसिद्ध तटीय कस्बे भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। एयरबीएनबी की यह रिपोर्ट अक्टूबर 2025 में फोकलडाटा द्वारा किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें 2,155 भारतीय उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था।

दिल्ली में हथियारों की आपूर्ति करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, 11 पिस्तौल जब्त

नई दिल्ली/भाषा। पुलिस ने अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक गिरोह के 22 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 11 अर्धस्वचालित पिस्तौल बरामद की हैं। उसका कथित तौर पर दिल्ली-एनसीआर में अपराधियों को आपूर्ति करने का इरादा था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी मनपाल नामक आरोपी को मध्य प्रदेश स्थित हथियार कारोबारियों से प्राप्त अवैध हथियारों को लाने ले जाने के बारे में मिली सूचना के बाद गिरफ्तार किया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों द्वारा मध्य प्रदेश के आपूर्तिकर्ताओं से अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र प्राप्त करने की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क की पहचान करने और उसे नष्ट करने के लिए काम शुरू किया। अधिकारी ने बताया, एक महीने से अधिक समय तक लगातार प्रयास करने के बाद टीम ने गिरोह के सदस्यों की पहचान की।

भाजपा में मुझसे सलाह नहीं ली जाती, सभी फैसले दिल्ली से होते हैं: अमरिंदर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काम करने के तरीके की शुक्रवार को आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के विपरीत भाजपा में उनसे परामर्श नहीं लिया जाता। हालांकि, भाजपा नेता सिंह ने कांग्रेस में लौटने की संभावनाओं को पूरी तरह से खारिज किया।

सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा कि जब वह कांग्रेस में थे, तब उन्हें जिस तरह से मुख्यमंत्री पद से हटाया गया था, उससे वह अब भी आहत हैं, इसलिए ''कांग्रेस में फिर से शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी उनसे मदद मांगती हैं, तो वह हमेशा उनकी मदद करेंगे, लेकिन ''राजनीतिक रूप से नहीं।''

सिंह ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मिलना भाजपा आलाकमान से मिलने से कहीं ज्यादा आसान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने नेताओं से सलाह लेती है और पार्टी की ''कार्य प्रणाली अधिक लोकतांत्रिक'' है। सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें ''पंजाब से विशेष लगाव'' है और वह राज्य के लिए कुछ भी करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने फैसलों को सार्वजनिक नहीं करती और सभी निर्णय दिल्ली में जमीनी स्तर के नेताओं से परामर्श किए बिना लिए जाते हैं। पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रहे सिंह (83) ने कहा, ''भाजपा में मुझसे सलाह नहीं ली जाती। मेरे पास 60 साल का राजनीतिक अनुभव है, लेकिन मैं खुद को उन पर थोप नहीं सकता।'' उन्होंने पंजाब के लोगों से ''स्थिरता'' के लिए भाजपा पर विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत की सुरक्षा और पंजाब के हित आपस में जुड़े हुए हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई में आंतरिक कलह के बाद सिंह ने सितंबर 2021 में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी।

'डिजिटल अरेस्ट' कर बुजुर्ग व्यक्ति से ठगे 1.16 करोड़ रु., 3 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के बाद उससे 1.16 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के तीन कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यहां एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताते हुए आरोपी ने एक वीडियो कॉल के दौरान पीड़ित 82 वर्षीय व्यक्ति को एक फर्जी गिरफ्तारी आदेश दिखाया। दबाव बनाकर और कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर बुजुर्ग व्यक्ति को कुल 1.16 करोड़ रुपए अंतरित करने के लिए मजबूर किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि ठगी गई रकम का एक बड़ा हिस्सा करीब 1.10 करोड़ रुपए हिमाचल प्रदेश स्थित एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के चालू खाते में जमा किया गया था। हालांकि, यह खाता बिहार के पटना से जालसाजों द्वारा कथित तौर पर संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इसी बैंक खाते के खिलाफ 32 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 24 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी शामिल है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के तहत हिमाचल प्रदेश और बिहार में कई छापेमारी की गई, जिससे तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिला निवासी प्रभाकर कुमार (27), बिहार के वैशाली जिला निवासी रूपेश कुमार सिंह (37) और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला निवासी देव राज (46) के रूप में हुई है।

आयकर विभाग ने फर्जी राजनीतिक दान दावों पर एसएमएस, ईमेल भेजना शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों या धर्मार्थ संस्थानों से संबंधित गलत कटौती दावों के लिए करदाताओं को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से सलाह भेजना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से उसने पाया है कि पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) या धर्मार्थ संस्थानों को दान के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी दावे किए गए हैं, जिससे उनके कर दायित्वों को कम किया गया है और फर्जी धनवापसी का भी दावा किया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''करदाताओं के हित में एक लक्षित एक अभियान शुरू किया गया है, जो उन्हें अपने आईटीआर अपडेट करने और किसी भी गलत दावे को वापस लेने का अवसर प्रदान करता है। 12 दिसंबर 2025 से ऐसे करदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर और ईमेल पर एसएमएस और ईमेल सूचनाएं भेजी जा रही हैं।''

पेंच बाघ अभयारण्य में पुराने गिद्धों को नये गिद्धों के साथ घुलते-मिलते देखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

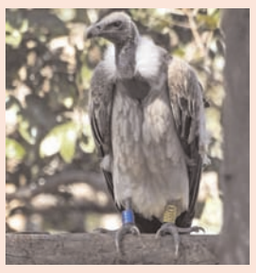

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के पेंच बाघ अभयारण्य में अत्यंत संकटग्रस्त गिद्धों की 'सॉफ्ट रिलीज' के तहत जंगल में पहले छोड़े गए गिद्ध हाल ही में आजाद किए गए गिद्धों के साथ घुलते-मिलते और भोजन करते हुए नजर आए, जिसे राज्य के गिद्ध संरक्षण कार्यक्रम के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है।

'सॉफ्ट रिलीज' से आशय एक क्रमिक पुनर्प्रवेश विधि से है, जिसमें किसी नस्ल के पक्षी या जानवरों को उनके नये आशियाने में छोड़ने से पहले पास में एक बड़े अस्थाई बाड़े में रखकर वहां के वातावरण में ढलने, शिकार करने और जंगल में अस्तित्व बनाए रखने के लिए जरूरी कौशल सीखने का अवसर दिया जाता है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, राज्य वन विभाग ने 'बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' (बीएनएचएस) के सहयोग से पेंच में अस्थाई बाड़े में पाले गए गिद्धों को बृहस्पतिवार को अभयारण्य में छोड़ने के दूसरे चरण की शुरुआत की। कुल 13 गिद्धों को 'प्री-रिलीज एवियरी' में एक सुव्यवस्थित अनुकूलन प्रक्रिया से गुजरने के बाद जंगल में छोड़ा गया। इन गिद्धों को अप्रैल 2025 में हरियाणा के पिंजोर से लाया गया था और जंगल में छोड़ने से पहले स्वतंत्र रूप से अवशेषों को आहार के रूप में ग्रहण करने तथा स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों को अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

आंध्र प्रदेश ने लगातार चौथे वर्ष ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार जीता

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश ने ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के क्षेत्र में निरंतर और प्रगतिशील सुधार के लिए लगातार चौथे वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार2025 हासिल किया है। मुख्य सचिव के विजय आनंद ने कहा कि दक्षिणी राज्य ने भवन, उद्योग, नगर निकाय, कृषि, डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियां) और परिवहन क्षेत्रों में अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार2025 के समूह-दो वर्ग में प्रथम पुरस्कार जीता है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''आंध्र प्रदेश ने लगातार चौथे वर्ष प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार जीतकर ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में एक बार फिर राष्ट्रीय नेतृत्व को पुष्ट किया है।'' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण मिशन को यह पुरस्कार देंगी।

कांग्रेस ने मनरेगा का नाम बदलने पर सरकार को आड़े हाथ लिया, मोदी को नाम बदलने का 'मास्टर' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मनरेगा कानून का नाम बदलने संबंधी विधेयक को मंत्रिमंडल से मंजूरी दिये जाने पर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए शनिवार को कहा कि मोदी सरकार योजनाओं का नाम बदलने में 'मास्टर'है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने सवाल किया, '' महात्मा गांधी नाम में क्या गलत है'' कि सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार योजनाओं और कानूनों का नाम बदलने में 'मास्टर' है।

रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''उन्होंने निर्मल भारत अभियान का नाम बदलकर स्वच्छ भारत अभियान कर दिया और ग्रामीण एलपीजी वितरण कार्यक्रम का नाम उज्ज्वला रख दिया। वे 'री-पैकेजिंग' और 'ब्रांडिंग' में माहिर हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे पंडित नेहरू से नफरत करते हैं, लेकिन लगता है कि वे महात्मा गांधी से भी नफरत करते हैं। महात्मा गांधी नाम में क्या गलत है, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलकर पूज्य बापू रोजगार गारंटी योजना क्यों रखा जा रहा है?'' सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मनरेगा कानून का नाम बदलने और इसके तहत कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया कि इस कानून का नाम बदलकर अब 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' कर दिया जाएगा और इसके तहत कार्य दिवसों की संख्या वर्तमान में 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। कांग्रेस के महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कभी मनरेगा को 'विफलता का स्मारक' कहा था, लेकिन अब इस क्रांतिकारी योजना का श्रेय लेने के लिए इसका नाम बदल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह महात्मा गांधी को हमारी राष्ट्रीय चेतना से, विशेषकर गांवों से, मिटाने का एक और तरीका है, जहां उन्होंने कहा था कि भारत की आत्मा निवास करती है।'' वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह कदम इस योजना के प्रति जानबूझकर की जा रही उपेक्षा को छिपाने के लिए किया गया एक दिखावटी बदलाव मात्र है।''

जीओएटी भारत दौरे के दूसरे चरण के लिये मेस्सी हैदराबाद पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी 'जीओएटी भारत दौरा 2025' की कोलकाता में खराब शुरूआत के बाद दूसरे चरण के लिये शनिवार की शाम को यहां पहुंच गए । निजामों के शहर में उनके कार्यक्रम की शुरूआत शाम सात बजकर 50 मिनट पर एक नुमाइशी मैच से होगी । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मैदान पर उतरेंगे जिनके बाद मेस्सी और इंटर मियामी के उनके साथ रौड्रिगो डि पॉल और लुई सुआरेज आयेंगे ।

इससे पहले कोलकाता में लगभग 50,000 दर्शक सॉल्ट लेक स्टेडियम में लाचार दिखे क्योंकि नेता, वीवीआईपी, सुरक्षा कर्मी भीड़ को नियंत्रित करने के बजाय सेल्फी लेने के लिए मेस्सी को घेरकर खड़े थे जिससे फुटबॉल प्रेमी नाराज हो गए जबकि इनमें से कई ने कार्यक्रम के टिकट खरीदने के लिए 4,000 रुपए से 12,000 रुपए तक तथा कुछ ने तो कालाबाजारी से 20,000 रुपए तक की टिकट खरीदी थी।

बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने मेस्सी की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया ।

मेस्सी के समय से पहले मैदान से निकलने की खबर फैलते ही दर्शकों का गुस्सा फुट पड़ा। मैदान में बोतलें और फिर प्लास्टिक की कुर्सियां भी फेंकी गईं। प्रायोजक बैनर और होर्डिंग फाड़ दिए गए, बड़ी संख्या में सीटें तोड़ दी गईं और भीड़ ने मैदान के कुछ हिस्सों में जबरन घुसने के लिए बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश की।

चेन्नई को जलापूर्ति करने वाले तीन प्रमुख बांध दशकों बाद लबालब भरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लगभग 27 वर्षों में पहली बार चेन्नई को पेयजल उपलब्ध कराने वाले तीन प्रमुख बांध अपने पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) पर पहुंच गये हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पूर्वोत्तर मानसून और चक्रवात 'दित्वा' के कारण चेन्नई को जलापूर्ति करने वाले सभी छह बांधों में पानी लबालब भरा हुआ है। बारह दिसंबर को सभी छह बांधों में कुल जल भंडारण 12,273.40 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फुट) दर्ज किया गया, जो कुल क्षमता का 92.83 प्रतिशत है।

पूंडी और पुझल बांध 100 प्रतिशत भंडारण स्तर पर हैं, जबकि चेंबरमबक्कम में 99.37 प्रतिशत पानी है। पूंडी और पुझल जलाशयों में जलस्तर क्रमशः 140 फुट (3,221 एमसीएफटी) और 50.20 फुट (3,300 एमसीएफटी) के अधिकतम स्तर पर पहुंच गया है।

चेंबरमबक्कम जलाशय में वर्तमान में 3,622 एमसीएफटी पानी है। इन तीनों जलाशयों में जलग्रहण क्षेत्रों से पानी की आवक जारी है। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि चक्रवात 'दित्वा' के कारण चेन्नई और पड़ोसी जिलों में हुई भारी बारिश से जलस्तर अधिकतम सीमा तक पहुंच गया है। 2015 में जब शहर में बाढ़ आई थी, तब भी जलस्तर इतना अधिक नहीं था।

कर्नाटक का एकमात्र उद्देश्य मेकेदातु के माध्यम से तमिलनाडु को रेगिस्तान में बदलना : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का एकमात्र उद्देश्य मेकेदातु बांध परियोजना को क्रियान्वित करके तमिलनाडु को रेगिस्तान में बदलना है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार तमिलनाडु पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की अनदेखी करते हुए मेकेदातु में एक संतुलन जलाशय के निर्माण की अपनी परियोजना को आगे बढ़ा रही है, और उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ अन्ना द्रविड़ कषगम (द्रमुक) को वर्तमान दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के लिए दोषी ठहराया।

पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर कहा, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार ने तमिलनाडु के लोगों की आजीविका के मुद्दे पर कावेरी प्रबंधन प्राधिकरण और उच्चतम न्यायालय के समक्ष वकीलों के माध्यम से तमिलनाडु की ओर से ठोस दलीलें प्रस्तुत नहीं कीं और उसने आधे-अधूरे मन से काम किया। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद कर्नाटक सरकार द्वारा मेकेदातु बांध परियोजना के काम में तेजी लाने के लिए एक विशेषज्ञ टीम का गठन किए जाने के मद्देनजर उनकी यह कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। अन्नाद्रमुक महासचिव ने 12 दिसंबर को लिखे अपने पोस्ट में दावा किया कि द्रमुक जब भी सत्ता में आई, उसने कावेरी नदी के जल मुद्दे पर तमिलनाडु के अधिकार कर्नाटक को सौंप दिए। उन्होंने कहा, द्रमुक के इस विश्वासघात को माफ नहीं किया जा सकता है।

पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री से कावेरी पर तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस सरकार का एकमात्र उद्देश्य तमिलनाडु को रेगिस्तान में बदलना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में यूट्यूबर 'सवुक्कू' शंकर को एक फिल्म निर्माता द्वारा दर्ज कराए गए कथित मारपीट और जबरन वसूली के मामले में शनिवार को उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि शनिवार सुबह जब जांच अधिकारियों ने शंकर के घर का दरवाजा खटखटाया तो उन्होंने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया और यह कहते रहे कि पुलिस को अंदर आने से पहले उनके वकीलों से बात करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दो पुलिस अधिकारियों को यह कहते सुना जा सकता है कि यदि वकील उचित तरीके से जानकारी मांगेंगे तो वे गिरफ्तारी का विवरण देने और वारंट दिखाने के लिए तैयार हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि पुलिस को अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोका नहीं जाना चाहिए।

पुलिस ने बताया कि राजनीतिक टिप्पणीकार की टीम के पांच अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले शंकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल' पर एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें एक फिल्म निर्माता द्वारा दर्ज कराए गए झूठे मामले में गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। शंकर ने वीडियो में कहा, पुलिस ने अक्टूबर के अंत में समन जारी किया था, और मैंने जवाब में कहा कि उक्त फिल्म निर्माता कभी मेरे कार्यालय में नहीं आए और न ही मैंने ऐसे किसी ऐसे वीडियो को हटाने के लिए उनसे पैसे की मांग की जिसमें कथित तौर पर उनका अपमान किया गया हो। उन्होंने कहा कि पुलिस का दावा था कि उन्होंने और उनकी टीम ने निर्माता को पीटा और उनसे दो लाख रुपये ऐंठ लिए तथा वीडियो हटाने के लिए भारी राशि की मांग की। शंकर ने कहा, यह सब पूरी तरह से झूठ है और ऐसे घटनाएं कभी हुई ही नहीं। शंकर ने आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ अधिकारी के इशारे पर पुलिस उनके पीछे पड़ी हुई है। एक अन्य वीडियो में देखा गया कि पुलिस दमकल कर्मियों की मदद से मुख्य दरवाजा तोड़कर शंकर के घर में प्रवेश कर रही है। वहीं, शंकर सोफे पर शांति से बैठे हुए नजर आ रहे थे।

जब शंकर को पुलिस वाहन में ले जाया जा रहा था तब उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनका मॉडेम और यहां तक कि मोबाइल फोन इसलिए जब्त कर लिया ताकि वह ये पता लगा सकें कि उसे कौन जानकारी दे रहा था। शंकर ने अपने आवास पर इंतजार कर रहे पत्रकारों से कहा उन्होंने मेरे घर में तोड़फोड़ की। मेरी गिरफ्तारी के पीछे राज्य सरकार का हाथ है। वह आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान सवुक्कू मीडिया को काम नहीं करने देना चाहती।

शिवगंगा से कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने 'एक्स' पर कहा, हालांकि मैं उनका समर्थन नहीं करता हूं लेकिन सवुक्कू की बार-बार की जा रही गिरफ्तारियां स्पष्ट रूप से उत्पीड़न हैं। गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने दमन और अराजकता फैलाई है। तिरुपति ने कहा, यह बेहद निंदनीय है।

अभियोजन पक्ष दिलीप के खिलाफ साजिश साबित करने में 'बुरी तरह' विफल रहा : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कोच्चि की एक स्थानीय अदालत ने मलयालम अभिनेता दिलीप के खिलाफ पर्याप्त सबूतों की कमी का हवाला देते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न के 2017 के मामले में दिलीप के खिलाफ साजिश के आरोप को साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है। एर्नाकुलम जिला एवं प्रधान सत्र अदालत की न्यायाधीश हनी एम वर्गीस का पूरा फैसला शुक्रवार देर रात जारी किया गया, जिससे पता चलता है कि न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए निराधार तर्कों की ओर भी इशारा किया है। अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष पीड़िता के खिलाफ अपराध को अंजाम देने में आरोपी संख्या एक (पल्सर सुनी) और आरोपी संख्या आठ (दिलीप) के बीच साजिश साबित करने में बुरी तरह विफल रहा।

इसमें अभियोजन पक्ष के इस आरोप की विस्तार से समीक्षा की गई कि दिलीप ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न करने और उसकी पहचान स्थापित करने के लिए, अभिनेत्री द्वारा पहनी सोने की अंगूठी के क्लोज-अप फुटेज सहित दृश्य रिकॉर्ड करने के लिए मुख्य आरोपी को काम पर रखा था। फैसले के पृष्ठ 1,130 पर पैराग्राफ 703 में अदालत ने इस मुद्दे पर कहा कि अभियोजन पक्ष का यह तर्क क्या टिकाऊ है कि एनएस सुनील (पल्सर सुनी) ने घटना के समय पीड़िता द्वारा पहनी गई सोने की अंगूठी के दृश्य रिकॉर्ड किए थे ताकि उसकी पहचान स्पष्ट रूप से उजागर हो सके। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि दिलीप और सुनी ने रिकॉर्डिंग की योजना इस तरह बनाई थी कि अभिनेत्री की पहचान स्पष्ट हो जाए और सोने की अंगूठी के वीडियो का उद्देश्य दिलीप को यह विश्वास दिलाना था कि दृश्य वास्तविक थे। हालांकि, अदालत ने गौर किया कि यह तर्क पहले आरोपपत्र में नहीं बताया गया था और इसे दूसरे आरोपपत्र में शामिल किया था।

इस दावे के तहत, पीड़िता द्वारा सोने की अंगूठी पुलिस के सामने पेश किए जाने के बाद उसे जब्त कर लिया गया था। अदालत ने पाया कि घटना के बाद 18 फरवरी, 2017 से पीड़िता के कई बयान दर्ज किए गए थे और उसने दिलीप के खिलाफ पहली बार तीन जून, 2017 को आरोप लगाए थे। अदालत ने कहा कि उस दिन भी गिरोह द्वारा अंगूठी का वीडियो बनाए जाने का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। अभियोजन पक्ष यह समझाने में विफल रहा कि पीड़िता ने शुरू में ही इस तथ्य का खुलासा क्यों नहीं किया।

इसमें यह भी कहा गया कि हालांकि पीड़िता ने यौन उत्पीड़न के दृश्यों को दो बार देखा था, लेकिन उन्होंने उन अवसरों पर सोने की अंगूठी की किसी विशिष्ट रिकॉर्डिंग का उल्लेख नहीं किया। अदालत ने गवाहों के बयानों की भी समीक्षा की। एक गवाह ने मजिस्ट्रेट को बताया कि दिलीप ने पल्सर सुनी को पीड़िता की शादी की अंगूठी रिकॉर्ड करने का निर्देश दिया था। अदालत ने पाया कि उस समय पीड़िता के पास शादी की ऐसी कोई अंगूठी नहीं थी। अदालत ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान गवाह ने अपना बयान बदल दिया।

न्यायाधीश ने गौर किया कि दूसरे गवाह ने तो यहां तक दावा किया कि दिलीप ने अपराध को अंजाम देने का निर्देश दिया था और पीड़िता की सगाई टूट चुकी थी। इससे यह स्पष्ट होता है कि अंगूठी का वीडियो बनाने के संबंध में दूसरे गवाह का बयान झूठा था, क्योंकि उसकी सगाई अपराध के बाद हुई थी। अदालत ने कहा कि दृश्यों से ही पीड़िता की पहचान स्पष्ट रूप से पता चल गई थी और पहचान स्थापित करने के लिए अंगूठी की तस्वीरें लेने की कोई आवश्यकता नहीं थी। पैराग्राफ 887 में, अदालत ने अपराध के कथित मकसद की जांच की और पाया कि पहले आरोपपत्र में अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि आरोपी एक से छह ने पीड़िता का अपहरण अश्लील तस्वीरें लेने और उन्हें प्रसारित करने की धमकी देकर पैसे वसूलने के सामान्य इरादे से किया था और इसमें दिलीप की भूमिका का कोई उल्लेख नहीं था।

अदालत ने अभियोजन पक्ष के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आरोपी 2013 से दिलीप के निर्देशों पर हमले की साजिश रच रहा था और यह आरोप विश्वसनीय सबूतों से समर्थित नहीं था। अदालत इस दावे को भी खारिज कर दिया कि सुनी ने जनवरी 2017 में गोवा में पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न का प्रयास किया था। अदालत ने दिलीप की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न हुए विभिन्न विवादों और अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों पर भी चर्चा की और अंततः पाया कि मामला साबित नहीं हुआ।

इस सनसनीखेज मामले पर आठ दिसंबर को फैसला सुनाते हुए अदालत ने दिलीप और तीन अन्य को बरी कर दिया। बाद में, अदालत ने मुख्य दोषी सुनी समेत छह अन्य को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत, क्या केरल की पहली महिला आईपीएस बन पाएंगी महापौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भाजपा ने राज्य में सत्तारूढ़ एलडीएफ और कांग्रेस नीत विपक्षी यूडीएफ को चौंकाते हुए शहर के नगर निकाय में जीत हासिल की है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी यहां से भाजपा की पहली महापौर बनेंगी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की सेवानिवृत्त अधिकारी आर श्रीलेखा पर सभी की नजरे टिकी हैं कि क्या भाजपा उन्हें नगर निगम का नेतृत्व करने के लिए चुनेगी, जो चार दशकों से अधिक समय तक वामपंथियों का गढ़ रहा था। भाजपा ने चुनाव में वाम दलों के इस किले को ध्वस्त कर दिया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में दो चरणों में हुए चुनावों में डाले गए वोटों की गिनती शनिवार को शुरू हुई। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सस्थामंगलम डिवीजन से जीत हासिल करने वाली श्रीलेखा को महापौर पद के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चेहरे के रूप में पेश किया गया है। दशकों तक कांग्रेस और वामपंथी नेतृत्व वाले गठबंधनों के प्रभाव वाले इस दक्षिणी राज्य में भाजपा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए नतीजों के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया।

श्रीलेखा ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि सस्थामंगलम वार्ड में इससे पहले किसी भी उम्मीदवार को इतनी बढ़त नहीं मिली है... हम इस फैसले के लिए जनता को धन्यवाद देते हैं। तिरुवनंतपुरम की महापौर बनने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस मामले पर पार्टी फैसला करेगी। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत हासिल की। राजग ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर लगातार 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ)को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है। इस जीत से स्वाभाविक रूप से श्रीलेखा को महापौर बनाने की अटकलें तेज हुई हैं। तिरुवनंतपुरम में जन्मीं और पली-बढ़ीं श्रीलेखा जनवरी 1987 में केरल की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनीं। उन्होंने अपने तीन दशकों से अधिक के करियर में राज्य के कई जिलों में पुलिस इकाइयों का नेतृत्व किया और सीबीआई, केरल अपराध शाखा, सतर्कता विभाग, अग्निशमन विभाग, मोटर वाहन विभाग और जेल विभाग में भी सेवाएं दीं।

श्रीलेखा को 2017 में पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया, जिससे वह केरल में इस पद पर पहुंचने वालीं पहली महिला बन गईं। वह 33 साल से अधिक की सेवा के बाद दिसंबर 2020 में सेवानिवृत्त हुईं। श्रीलेखा सेवानिवृत्ति के बाद भी खबरों में बनी हुई हैं, खासकर 2017 के अभिनेत्री यौन उत्पीड़न मामले में अभिनेता दिलीप को झूठा फंसाए जाने के उनके बयान के कारण। हाल ही में, उन्होंने निष्कासित कांग्रेस नेता राहुल ममकुटाथिल के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने में हुई देरी पर सवाल उठाकर विवाद खड़ा कर दिया था। श्रीलेखा अक्टूबर 2024 में भाजपा में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रभावित होकर दल में शामिल हो रही हैं।

'सांप्रदायिक राजनीति' ही एलडीएफ के पतन का कारण बनी : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने शनिवार को कहा कि सांप्रदायिक राजनीति' ही वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की हार का कारण बनी जबकि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने अपने एजेंडे के माध्यम से जनता का विश्वास जीत लिया।

सतीशन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूडीएफ मतदाताओं का आभारी है और उन्होंने जनादेश के लिए जनता का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमने वर्तमान सरकार के खिलाफ जनता के सामने आरोप पत्र रखा। साथ ही, हमने स्पष्ट रूप से बताया कि सत्ता में आने पर यूडीएफ क्या करेगा। सतीशन ने कहा कि एलडीएफ को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है।

एलडीएफ ने वर्ष 2020 में हुए नगर निगम चुनाव में ग्राम पंचायत की 580 सीट पर जीत हासिल की थीं, जो अब घटकर 345 रह गई जबकि यूडीएफ की संख्या 340 से बढ़कर लगभग 500 हो गई है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक पंचायतों में एलडीएफ की संख्या 111 से घटकर 68 हो गई जबकि यूडीएफ की संख्या 40 से बढ़कर 77 हो गई। सतीशन ने कहा, इसी तरह एलडीएफ की जिला पंचायतों की संख्या 11 से घटकर सात रह गई है जबकि यूडीएफ की संख्या तीन से बढ़कर सात या आठ हो गई है। नगरपालिकाओं में, एलडीएफ की संख्या 42 से घटकर 28 हो गई जबकि यूडीएफ की संख्या 42 से बढ़कर 54 हो गई है।

विपक्ष के नेता के अनुसार, 2020 में एलडीएफ के पास पांच निगम थे, जो 2025 तक घटकर एक रह गया जबकि यूडीएफ की संख्या एक से बढ़कर चार हो गई। उन्होंने कहा, हम इसे एक बड़ी जीत मानते हैं और यह टीम यूडीएफ के प्रयासों का परिणाम है। नीलांबुर उपचुनाव के बाद मैंने कहा था कि हमें एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। सतीशन ने कहा कि यूडीएफ सिर्फ दलों का गठबंधन नहीं बल्कि विभिन्न सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक राजनीतिक शक्ति है।

स्थानीय चुनावों में एलडीएफ उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी, सुधारात्मक कदम उठाने होंगे : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने शनिवार को कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में वाम लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। एक बयान में विजयन ने कहा कि एलडीएफ को पूरे राज्य में एक शानदार जीत की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा, इसके कारणों की विस्तारपूर्वक जांच की जाएगी और आवश्यक सुधार करने के बाद हम आगे बढ़ेंगे।

राज्य की राजधानी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का दबदबा बढ़ना और चुनाव प्रचार के दौरान सांप्रदायिकता का प्रभाव धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वालों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, चुनाव परिणाम एक चेतावनी के रूप में सामने आया है कि लोगों को सांप्रदायिक ताकतों द्वारा फैलाई जा रही गलत सूचनाओं और विभाजनकारी हथकंडों का शिकार होने से बचाने के लिए अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इस परिणाम ने सांप्रदायिकता के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इस बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने शनिवार को कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम पार्टी के लिए एक अप्रत्याशित झटका हैं। उन्होंने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा, सबसे पहले, हम परिणामों का मूल्यांकन करेंगे और सुधारात्मक उपाय करेंगे।

गोविंदन ने कहा कि एलडीएफ को उचित सुधारात्मक कदम उठाकर चुनावी असफलताओं से उबरने का अनुभव है। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्थानीय निकाय चुनावों में भी एलडीएफ ने 14 जिला पंचायतों में से सात में जीत हासिल की है। एलडीएफ का आधार ध्वस्त हो जाने के दावों का जवाब देते हुए गोविंदन ने कहा कि राज्य में आधे जिला पंचायतों में जीत यह दर्शाती है कि मोर्चे का आधार अब भी बरकरार है। गोविंदन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने चुनाव के दौरान खुले और गुप्त गठबंधन किए थे। उन्होंने आरोप लगाया, एलडीएफ को हराने के लिए यूडीएफ ने कुछ जगहों पर भाजपा को वोट दिया और इसके बदले भाजपा ने अन्य जगहों पर यूडीएफ को वोट दिया। ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

उन्होंने दावा किया कि यूडीएफ ने सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठबंधन किया है और इस तरह के तालमेल को भाजपा का समर्थन प्राप्त है। गोविंदन ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में जीतने के अलावा, भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों में कोई खास बढ़त हासिल नहीं की है। उन्होंने कहा, पिछले स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने पंथलम और पलक्कड़ नगरपालिकाओं में जीत हासिल की थी।

थरूर ने तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में भाजपा की जीत को लोकतंत्र की सुंदरता बताया

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ की जीत की सराहना करते हुए, अपने तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए उसे बधाई दी और इसे लोकतंत्र की सुंदरता बताया।

थरूर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जनता के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए, चाहे वह यूडीएफ के पक्ष में हो या उनके निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में। कांग्रेस नेता ने कहा, केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में आज के नतीजे वाकई चौंकाने वाले हैं। जनादेश स्पष्ट है, और राज्य की लोकतांत्रिक भावना स्पष्ट रूप से झलकती है। थरूर ने कहा, स्थानीय निकायों में शानदार जीत के लिए यूडीएफ को हार्दिक बधाई! यह एक बड़ा समर्थन है और राज्य विधानसभा चुनावों से पहले एक मजबूत संकेत है। कड़ी मेहनत, सशक्त संदेश और सत्ता विरोधी लहर का स्पष्ट रूप से फल मिला है, जिससे 2020 की तुलना में कहीं बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं।

कांग्रेस नेता ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उसे नगर निगम में महत्वपूर्ण जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा, यह एक मजबूत प्रदर्शन है जो राजधानी के राजनीतिक परिदृश्य में एक उल्लेखनीय बदलाव का प्रतीक है।

एसआईटी ने 'वोट चोरी' मामले में भाजपा के पूर्व विधायक समेत सात के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

बेंगलूरु। कर्नाटक में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान आलंद निर्वाचन क्षेत्र में कथित 'वोट चोरी' की जांच कर रही एसआईटी ने सात लोगों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दायर किया है, जिनमें भाजपा के एक पूर्व विधायक, उनका बेटा और करीबी सहयोगी शामिल हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बेंगलूरु में प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट के समक्ष यह आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र कथित रूप से 5,994 मतदाताओं के नाम हटाने के प्रयासों से संबंधित है।

सीआईडी के सूत्रों के अनुसार, 22 हजार से अधिक पन्नों के आरोप पत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कथित तौर पर अपनाई गई कार्यप्रणाली का विस्तृत विवरण दिया गया है। आरोप पत्र में आलंद से चार बार विधायक रहे सुभाष गुट्टेदार, उनके बेटे हर्षानंद गुट्टेदार, निजी सचिव टिप्पेरुद्रा, कलबुर्गी में स्थित डेटा सेंटर के तीन ऑपरेटर अकरम पाशा, मुकर्रम पाशा और मोहम्मद अश्फाक तथा पश्चिम बंगाल के बापी आद्या नामक व्यक्तियों के नाम शामिल हैं।

इस मामले में बापी आद्या को गिरफ्तार किया गया था। उस पर कथित तौर पर अमेरिका के एक प्लेटफॉर्म से जुड़ी वेबसाइट ओटीपी बाजार' संचालित करने का आरोप है, जो ओटीपी बाईपास सुविधा प्रदान करती थी। बाद में आद्या को जमानत पर रिहा कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, एक विशेष अदालत ने पहले ही गुट्टेदार, उनके बेटे और टिप्पेरुद्रा को अग्रिम जमानत दे दी थी। शनिवार को हर्षानंद ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें और उनके पिता को झूठे मामले में फंसाया गया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई, यातायात नियमों का पालन करने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को यहां सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में मौजूद जनसमूह को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। यहां अमर जवान ज्योति पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की।

बयान के अनुसार इस अवसर संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी को सम्मानित किया गया। शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने 500 ऑटोरिक्शा को रवाना किया किया। ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हेलमेट वितरण किया तथा व्यावसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा व विधायक डॉ. गोपाल शर्मा भी मौजूद थे।

वादे नहीं, धरातल पर उतरे काम : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अजमेर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए सरकार के दो वर्षों के कार्यों, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते दो वर्षों में अजमेर सहित पूरे प्रदेश में सर्वांगीण विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो वादे जनता से किए थे, उन्हें केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा बल्कि धरातल पर उतारकर पूरा किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करते हुए अब तक 90 हजार से अधिक नौकरियां प्रदान की हैं। साथ ही महिला सुरक्षा को लेकर भी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उपमुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में जनता को केवल गुमराह किया गया। सड़कों की बदहाली और अपराध के बढ़ते आंकड़े किसी से छिपे नहीं थे। वर्तमान सरकार ने सड़कों के दुरुस्तीकरण के साथ-साथ अपराध दर में भी कमी लाकर दिखाया है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पेपर लीक के मामलों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में कई पेपर लीक हुए, जबकि वर्तमान सरकार ने न केवल पेपर लीक को रोका बल्कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की गई। प्रेस ब्रीफिंग के बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा जन जागृति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और लोगों से यातायात नियमों की पालना करने की अपील की। साथ ही प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुँचाने के लिए प्रगति रथों को भी रवाना किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओम प्रकाश भढ़ाना, महापौर बृजलता हाड़ा, उप महापौर नीरज जैन, अजमेर देहात जिला अध्यक्ष जीतमल प्रजापत सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक साथ 110 स्थानों पर छापेमारी, लगभग 200 करोड़ की कर चोरी उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,।प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तथा स्वच्छ कर प्रशासन की मंशा के अनुरूप राज्य के वाणिज्य कर विभाग (स्टेट ऋब्ढ) द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। विभाग ने प्रदेशभर में एक साथ 110 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे कार्यवाही करते हुए लगभग 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है। यह कार्यवाही विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देश पर की गई। अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए वाणिज्य कर विभाग के 300 से अधिक अधिकारियों को शामिल करते हुए अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ यह कार्यवाही की। विभाग को लंबे समय से सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं कि प्रदेश में प्लाईवुड, सैनेटरी आइटम, लोहा स्क्रैप, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल, कपास, टिम्बर, रियल एस्टेट सहित कई सेक्टर्स में कुछ व्यापारी कर चोरी में संलिप्त हैं। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर यह व्यापक अभियान चलाया गया। प्रदेश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न सेक्टर्स में एक साथ कार्यवाही की गई है, जिससे कर चोरी में लिप्त व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कार्यवाही के दौरान कई स्थानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिलिंग एवं अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

सर्वे कार्यवाही के दौरान ही कई व्यापारियों ने कर चोरी स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से लगभग 10 करोड़ रुपये की राशि विभाग में जमा करवाई है। विभाग द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर अब विस्तृत जांच की जाएगी, जिससे आगे और भी बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य कर विभाग द्वारा वर्तमान में कर चोरी के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में इस प्रकार की कार्यवाहियों में और अधिक तेजी लाई जाएगी।

पिछले दो साल की 73 फीसदी बजट घोषणाएं पूरी की जा चुकी है : गजेन्द्र सिंह खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि सरकार ने पिछले दो सालों में जो भी बजट घोषणाएं की है उनमें से 73 फीसदी घोषणाएं पूर्ण कर दी गई है या प्रगतिरत है। हमारे द्वारा संकल्प पत्र में कुल 392 संकल्प लिए गए थे। जिनमें से 274 संकल्प को दो साल में ही पूर्ण कर दिया गया है या प्रगतिरत हैं। हमने जो कार्य जनता जनार्दन से पांच साल में पूरे करने का वादा किया था उनमें से 70 फीसदी कार्य दो साल में ही पूर्ण कर दिए हैं। जबकि तीन साल अभी शेष है।खींवसर सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस को संबोधित कर रहे थे।

खींवसर ने कहा कि राजस्थान को योजनाएं लागू करने को लेकर बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट के रूप में सम्मानित किया गया है। 11 राष्ट्रीय योजनाओं को लागू करने में हम प्रथम स्थान पर, 5 योजनाओं में हम द्वितीय स्थान पर और 9 योजनाओं में हम तृतीय स्थान पर हैं। पहले जो योजनाएं फाइलों में चलती थी उन्हें हमने जमीन पर उतारा। खींवसर ने बताया कि पिछले दो सालों में 6 हजार 300 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ है।जबकि पिछली सरकार में पांच साल के दौरान 4 हजार मेगावाट हुआ था। यानी करीब डेढ़ गुणा बिजली का उत्पादन दो साल में ही कर दिया है। अभी तीन साल बाकी है। खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार ने दो साल में नहरों से सिंचाई की सुविधा 85 हजार हेक्टेयर बढ़ाई जो पिछली सरकार के पांच सालों में कुल 52 हजार हेक्टेयर बढ़ा पाई। खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार के दो साल में कुल 35 हजार 368 फार्म पोंड किसानों के लिए बनाए गए। जबकि पिछली सरकार में 5 साल में कुल 29 हजार 430 ही बना पाई।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि पिछली सरकार में पांच साल में कुल 91 हजार 582 किसानों को पाइप लाइन अनुदान दिया गया जबकि वर्तमान सरकार ने दो वर्ष में ही 98 हजार 753 किसानों को पाइप लाइन अनुदान देकर लाभान्वित किया जा चुका है। खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार ने दो साल में किसानों के खेतों की तारबंदी का आंकड़ा 299 लाख मीटर है जबकि पिछली सरकार ने 5 साल में 113 लाख मीटर ही खेतों की तारबंदी की। प्रभारी मंत्री ने बताया कि दो सालों में 101 पशु चिकित्सालयों को अपग्रेड कर प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय बनाया गया जबकि पिछली सरकार में यह संख्या मात्र 49 थी। वर्तमान सरकार ने 1 हजार 640 गांवों को सड़कों से जोड़ा जबकि पिछली सरकार में पांच साल में 1100 गांव ही जोड़ पाई। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने दो साल में 15 हजार 464 किलोमीटर नई सड़कें बनाई जबकि पिछली सरकार पांच साल में 13 हजार 160 किमी ही बना पाई। अभी तीन साल हमारे पास और हैं। हम उनसे दोगुना से ज्यादा बनाकर देंगे।

सभी प्रमुख मोर्चों पर विफल रही राजस्थान की भाजपा सरकार: डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दो साल के कार्यकाल पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर गत दो साल में अपनी सरकार के काम का हिसाब देने के बजाय 'पॉलिटिकल ड्रामा' (राजनीतिक नाटक) करने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि दो साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार सभी प्रमुख मोर्चों पर विफल रही है। डोटासरा ने राज्य सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''आज से ठीक दो वर्ष पूर्व राजस्थान में एक ड्रामा हुआ था जिसमें पर्ची से मुख्यमंत्री का नाम तय हुआ था और यह खेल पूरे राजस्थान ने देखा। और आज फिर दिल्ली से आयी हुई पर्ची को पढ़ कर एक ड्रामा हुआ है।''

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को बताना चाहिए था, दो वर्ष पहले चुनाव में प्रधानमंत्री व भाजपा ने जो वादे जनता से किए... उनमें से कितने पूरे हुए, इस बारें में जानकारी देनी चाहिए थी। डोटासरा ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के राज में राजस्थान हर क्षेत्र में पीछे चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने स्वास्थ्य बीमा कवरेज में कटौती, सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी और पिछली कांग्रेस सरकार के तहत शुरू की गई प्रमुख योजनाओं को कमजोर किए जाने का जिक्र किया।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा को 25 लाख रुपये से घटाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है, दुर्घटना बीमा कवर को आधा कर दिया गया है। उन्होंने कहा, अस्पतालों में निःशुल्क दवाइयां अनुपलब्ध हैं और जो मिल रही है उनमें से नकली भी पायी जा रही हैं। आरजीएचएस योजना दम तोड़ रही है, 400 से अधिक अस्पताल इस योजना से बाहर हो गए है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि राज्य में किसानों को खाद नहीं मिल रही, लाठी खानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, किसानों पर लाठियां बरस रही है, चुनावों में गेहूं पर जो बोनस देने की घोषणा की थी वो नहीं दिया जा रहा है। किसान सम्मान निधि 12 हजार रुपये देने का वादा किया था वो भी अभी तक नहीं दिया गया है। किसानों द्वारा टिब्बी गांव के पास एक निर्माणाधीन इथेनॉल संयंत्र के विरोध में आंदोलन को लेकर डोटासरा ने कहा, मंत्री और मुख्यमंत्री राजस्थान के टिब्बी में जाकर किसानों के हाल क्यों नहीं पूछ रहे हैं? जबकि कृषि मंत्री स्वयं कह रहे हैं कि किसानों की समस्या वाजिब है, उन्हें हल किया जाएगा।

उन्होंने दावा किया कि राज्य में सवा लाख शिक्षकों की कमी है और आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग में स्थानान्तरणों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, आज भारतीय जनता पार्टी में जबरदस्त अर्न्तकलह है, मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों को संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं।

सरकार ने हर वर्ग के उत्थान के लिए किए कार्य, सभी क्षेत्रों ने पकड़ी विकास की रफ्तार : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को कोटपुतली के राजकीय एलबीएस महाविद्यालय से विधानसभा वार 4 विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विकास रथों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी घर घर तक पहुचेगी।

इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार आमजन के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता को अपने कामों का रिपार्ट कार्ड दें। इसीलिए सरकार ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी अपने सुशासन का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि विकास रथ हर विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचकर आमजन को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इन जनल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की इस पहल का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि विकास रथ में उपलब्ध सुझाव पेटिका के माध्यम से अपने सुझाव दें। राज्य सरकार इन सुझावों को आगामी बजट में समाहित करेगी।

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार ने जो काम पांच साल में पूरे करने का वादा किया था उनमें से 70 प्रतिशत कार्य केवल दो वर्ष में ही पूरे किए जा चुके हैं। सरकार ने राज्य की प्राथमिकताओं को समझते हुए पानी- बिजली के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। किसान को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बनाया है तथा ऊर्जा में किए गए नवाचारों से अब प्रदेश के 22 जिलों में दिन में बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में चहुँओर विकास गति पकड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गत 2 वर्षों में लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का 2 वर्ष का कार्यकाल ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र लूणी के नांदड़ी में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को 202.97 लाख रूपये की पेयजल परियोजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। पटेल ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान सरकार का 2 वर्ष का कार्यकाल ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा इन दो वर्षों में 'विकसित- भारत, विकसित - राजस्थान' के विजन के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर उतारने काम किया गया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कृषि और ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व निर्णयों की बदौलत आज हमारा किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बनकर उभरा है। आज हम प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये की है। पटेल ने कहा पूर्ववर्ती सरकार के समय पेपरलीक के कारण युवाओं के साथ कुठाराघात हुआ। हमारी सरकार के कार्यकाल में अब तक एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा हम पांच साल में चार लाख युवाओं सरकारी नौकरी देंगे।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारी प्रतिबद्धता है कि जनता को मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध रूप से सुलभ हो। उन्होंने कहा नांदड़ी क्षेत्र अब नगर निगम में शामिल हो गया है, जिससे क्षेत्र में सड़क, सीवरेज और पेयजल जैसी सुविधाओं का समुचित विकास सुनिश्चित होगा। पटेल ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नांदड़ी क्षेत्र में समुचित जलापूर्ति के लिए संपूर्ण क्षेत्र का सर्वे कर कार्ययोजना तैयार करें।

उन्होंने कहा जिन कार्यों आज शिलान्यास किया गया उन्हें बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समयावधि में पूर्ण करें।

बलराम नगर, तिरूपति नगर नांदड़ी में पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाईप लाईन को बदलने का कार्य (लंबाई 2.7 किमी) 89.70 लाख रूपये। रमजान जी का हत्था क्षेत्र में पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाईप लाईन को बदलने का कार्य (लंबाई 2.7 किमी) 83.27 लाख रूपये। रामदेव नगर एवं एकता नगर में नलकूप वैधन एवं कमिशनिंग का कार्य (2 नलकूप) 30 लाख रूपये।

गहलोत ने कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार आत्मप्रशंसा में व्यस्त है। गहलोत ने बृहस्पतिवार को झुंझुनूं में कथित गैंगवार में एक हिस्ट्रीशीटर समेत दो बदमाशों की मौत की घटना का हवाला देते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, जब राजस्थान की भाजपा सरकार कल प्रेस वार्ता कर अपराध कम होने के बड़े दावे कर रही थी, उसी समय झुंझुनूं में गैंगस्टर तीन किलोमीटर तक सड़क पर एक-दूसरे पर फायरिंग कर रहे थे, जिसमें दो बदमाशों की मौत भी हो गई। गहलोत ने कहा, राजस्थान में कानून-व्यवस्था की ऐसी दुर्गति कभी नहीं देखी। खुलेआम गोलीबारी की घटनाएं आमजन में भय पैदा कर रही हैं, लेकिन सरकार आत्मप्रशंसा में व्यस्त है।

गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचेंगे विकास रथ, जन कल्याणकारी योजनाओं की देंगे जानकारी : गोदारा

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय से विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार जनता के सेवक के रूप में कार्य कर रही है और प्रदेश के विकास का पहिया बिना रुके, बिना थमे आगे बढ़ रहा है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता को अपने कामों का हिसाब दें। इसीलिए सरकार ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी अपने सुशासन का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि विकास रथ हर विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचकर आमजन को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का काम करेंगे तथा अपने दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड बताएंगे।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे जनल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की इस पहल का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि विकास रथ में उपलब्ध सुझाव पेटिका के माध्यम से अपने सुझाव दें। राज्य सरकार इन सुझावों को आगामी बजट में समाहित करेगी।

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार ने जनता से जो काम पांच साल में पूरे करने का वादा किया था, उनमें से 70 प्रतिशत कार्य दो वर्ष में ही पूरे किए जा चुके हैं। सरकार ने राज्य की प्राथमिकताओं को समझते हुए पानी. बिजली के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। किसान को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बनाया है तथा ऊर्जा में किए गए नवाचारों से अब हम प्रदेश के 22 जिलों में दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

अगले पांच वर्षों में बस्तर संभाग भारत का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बन जाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों वाले बस्तर संभाग को अगले पांच वर्षों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है।

शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता – न तो हथियार उठाने वालों को और न ही सुरक्षाकर्मियों को, और केवल शांति ही विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। उन्होंने एक बार फिर इस बात पर बल दिया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। शाह ने राज्य के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक–2025 खेल आयोजन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए माओवादियों से अनुरोध किया कि वे हथियार डाल दें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से 'लाल आतंक' को खत्म करने का फैसला किया है, यह लक्ष्य अब प्राप्ति के करीब है। शाह ने कहा, ''आज मैं बस्तर में आया हूं तब मुझसे ज्यादा आनंद किसी व्यक्ति को नहीं हो सकता है। हमने तय किया था कि 31 मार्च 2026 के पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे। मैं 2024 में भी आया था, 2025 में भी आया हूं और 2026 में भी आऊंगा, यह मेरा वादा है। परंतु, जब मैं 2026 में बस्तर ओलंपिक के लिए पहुंचूंगा, तब तक छत्तीसगढ़ और पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया हो चुका होगा।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के सात जिलों – कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा – को दिसंबर 2030 तक देश के सबसे विकसित आदिवासी जिलों के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें इन जिलों के हर घर के लिए आवास, बिजली, शौचालय, नल का पानी, रसोई गैस कनेक्शन, पांच किलोग्राम मुफ्त अनाज और पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र होगा। यहां हर गांव सड़कों से जुड़ा होगा, बिजली होगी, पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं होंगी तथा प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का एक मजबूत जाल होगा। उन्होंने कहा, ''नक्सलवाद समाप्त हो, यह हमारा लक्ष्य जरूर है, पर क्यों है, क्योंकि नक्सलवाद इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर फन फैला कर बैठा था। नक्सलवाद समाप्त होने के साथ ही इस क्षेत्र में विकास की एक नई शुरुआत होगी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है।''

संसद पर हमले की बरसी:

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सांसदों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ''साहसी नायकों'' को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज के दिन हम आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।'' उन्होंने लिखा, ''देश उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा हमारी राष्ट्रीय भावना को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।'' केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या ''सम्मान गारद'' प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया। 2023 तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 'सलामी शस्त्र' प्रस्तुत करता था। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा भी उपस्थित थीं। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल ने भी हमले को नाकाम करते समय शहीद हुए कर्मियों की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संसद के निचले सदन के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लातूर में हैं। बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस दिन ''हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए जघन्य हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी।''

बहराइच में सो रही बच्ची को उठा ले जाने वाला भेड़िया मारा गया

बहराइच/भाषा। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के एक गांव में भेड़िया घर में घुसकर मां के बगल में सो रही एक वर्षीय बच्ची को उठा ले गया। बाद में वन विभाग की बचाव टीम ने काबू में ना आने पर भेड़िये को गोली मार दी। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने बताया कि भेड़िए ने आज तड़के करीब 3.30 बजे रामकुमार की बेटी आरवी को घर से उठा लिया था। घटना के बाद वन विभाग की बचाव टीम भेड़िए की तलाश में लगी थी। शनिवार दोपहर रेस्क्यू आपरेशन के दौरान गोड़हिया नंबर चार में नदी किनारे भेड़िए को मार दिया गया। उन्होंने बताया कि नदी किनारे स्थित गोड़हिया नंबर चार गांव में रामकुमार की पत्नी अपनी बच्ची आरवी (01) के साथ घर के बरामदे में सो रही थीं। शुक्रवार व शनिवार की दरमियानी रात में भेड़िया बच्ची को उठाकर ले गया।

रांची हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

रांची/भाषा। झारखंड में रांची हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे तब हुई, जब भुवनेश्वर से रांची आया विमान हवाई अड्डे पर उतर रहा था।

अधिकारियों के मुताबिक, विमान में करीब 70 यात्री सवार थे।

रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, उतरते समय विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। यात्रियों को अचानक झटका लगा। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया, क्योंकि तकनीकी रूप से उसे उड़ान भरने के लिए अयोग्य पाया गया था।

कुमार ने बताया, रांची से भुवनेश्वर के लिए प्रस्तावित विमान की अगली उड़ान रद्द कर दी गई। संबंधित उड़ान के कुछ यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी, जबकि कुछ ने इसे पुनर्निर्धारित किया। कुछ यात्रियों को सड़क मार्ग से भुवनेश्वर भेजने की व्यवस्था की गई।

त्रिपुरा विपक्ष का गंभीर आरोप

मादक पदार्थ तस्करी भाजपा की 'राजनीतिक परियोजना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी सत्तारूढ़ भाजपा की एक राजनीतिक परियोजना है।

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वुमेन एसोसिएशन (एआईडीडब्ल्यूए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौधरी ने दावा किया कि भाजपा निष्पक्ष चुनाव से सत्ता में नहीं आ सकती, इसलिए वह असामाजिक तत्वों को नशीले पदार्थों के व्यापार में संरक्षण दे रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी पोलित ब्यूरो सदस्य ने आरोप लगाया कि स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत हाल ही में गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के सत्तारूढ़ दल से करीबी संबंध हैं। उन्होंने दावा किया, एनडीपीएस मामलों में पकड़े गए दस में से नौ लोग शीर्ष राज्य भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरों में दिखाई देते हैं। चौधरी ने पिछले विधानसभा चुनाव के जनादेश पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चुनाव पारदर्शी होते, तो बहुत कम विधायक जीत पाते।

उन्होंने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेताओं पर अपराधियों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वादे पूरे न करने के कारण त्रिपुरा में भाजपा का पतन अपरिहार्य है और जनता का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है।

नोएडा में लुप्तप्राय प्रजाति के कछुए पालने के आरोप में डॉक्टर गिरफ्तार

नोएडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। नोएडा पुलिस ने 'इंडियन स्टार' प्रजाति के कछुए पालने के आरोप में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) यमुना प्रसाद ने बताया कि सेक्टर–20 थाने में शुक्रवार रात वन दरोगा शनि गौतम की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। अधिकारी के अनुसार, वन दरोगा ने शिकायत में बताया कि उन्हें सेक्टर–20 स्थित डी–11 में रश्मि मेडिकल सेंटर में लुप्तप्राय प्रजाति के कछुओं को पालने की सूचना मिली थी जिसके बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो सूचना सही पाई गई। उन्होंने कहा, मेडिकल सेंटर में पारदर्शी प्लास्टिक के डिब्बे में दो कछुए मिले जो 'इंडियन स्टार' प्रजाति हैं। वहां मौजूद डॉ. कैलाश चंद्र सूद (75) ने पूछताछ में कछुओं को पालने की बात स्वीकार की।'' कछुओं की यह प्रजाति वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 2022) की अनुसूची–एक के अंतर्गत लुप्तप्राय जीवों में शामिल है। प्रसाद ने बताया कि डॉ. सूद के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और कछुओं को अभिरक्षा में ले लिया गया।

नीतीश कुमार ने नालंदा में प्रशिक्षु पुलिस निरीक्षकों की पासिंग आउट परेड का किया निरीक्षण

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नालंदा जिले में प्रशिक्षु पुलिस उपनिरीक्षकों की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया तथा रंगरूटों से निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। यह समारोह राजगीर स्थित बिहार पुलिस अकादमी में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कुमार ने खुली जीप से परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रशिक्षुओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। मुझे विश्वास है कि वे निष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता और अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुछ प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को पुरस्कृत भी किया। बयान में कहा है कि 436 महिलाओं समेत 2023 बैच के 1,218 पुलिस उपनिरीक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हुआ। इसमें कहा गया है, ''पहली बार, अकादमी में तीन तृतीयलिंगी उपनिरीक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया गया।'' इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री ने अकादमी परिसर का भी निरीक्षण किया, जहां अधिकारियों ने उन्हें बताया कि राज्य सरकार ने 'विस्तार के लिए परिसर से सटी 22 एकड़ अतिरिक्त भूमि के अधिग्रहण' को मंजूरी दे दी है।

मेस्सी के कार्यक्रम में अराजकता, आयोजक हिरासत में, ममता ने मांफी मांगी, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान शनिवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा–तफरी कानून–व्यवस्था के बड़े मामले में तब्दील हो गई, जिसमें पुलिस ने कथित कुप्रबंधन के आरोप में मुख्य आयोजक को हिरासत में ले लिया, वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए और फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए प्रशंसकों से माफी मांगी।

फुटबॉल के दीवानों के लिए जो जीवन का सबसे सुखद अनुभव हो सकता था, वह एक तरह से बुरी याद में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने अर्जेंटीना के इस दिग्गज एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मेस्सी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़–फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रचारित किया गया था लेकिन यह पूरी तरह से अराजकता में बदल गया। मेस्सी तीन दिनों के भारत दौरे पर है जिसकी शुरुआत कोलकाता से हुई। उनका यह दौरा

ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय फुटबॉल अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। भारत फीफा रैंकिंग में 142वें स्थान पर खिसक गया है जो 2016 के बाद उनकी सबसे खराब रैंकिंग है। यही नहीं मौजूदा सत्र का लगभग आधा समय बीत जाने के बाद बावजूद घरेलू फुटबॉल की शीर्ष प्रतियोगिता (इंडियन सुपर लीग) शुरू होने को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी अपने लंबे समय के साथी लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ सुबह करीब 11.30 बजे स्टेडियम पहुंचे। स्टेडियम में लगभग 50,000 दर्शक मौजूद थे।

मैदान पर उनके कदम रखते ही वह आयोजकों, मशहूर हस्तियों और सुरक्षा कर्मियों की भीड़ में घिर गए, जिससे गैलरी में बैठे सामान्य दर्शक एक झलक देखने के लिए तरसते रह गए। मेस्सी ने मैदान पर थोड़ी दूर चहलकदमी की और 'मेस्सी, मेस्सी' के नारों के बीच दर्शक दीर्घा की ओर हाथ हिलाया। प्रशंसकों को हालांकि जल्द ही एहसास हो गया कि यह फुटबॉल खिलाड़ी सुरक्षा और आमंत्रित मेहमानों के घेरे में हैं, जो लगातार इस खिलाड़ी के साथ सेल्फी (तस्वीर) लेने की कोशिश कर रहे थे। इससे वह दर्शक दीर्घा के बड़े हिस्सों से मुश्किल से दिखाई दे रहे थे। कई लोगों ने शिकायत की कि वह विशाल स्क्रीनों पर भी साफ दिखाई नहीं दे रहे थे। अपने आस–पास की भीड़ से मेस्सी उलझन और हैरानी में दिखे, पूर्व खिलाड़ियों को ऑटोग्राफ देते हुए धीरे–धीरे मैदान का चक्कर लगाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान शताद्रु दत्ता रुंधे गले से बार–बार सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर विनती कर रहे थे, 'कृपया उन्हें अकेला छोड़ दें। कृपया मैदान खाली कर दें।' उनकी अपील का हालांकि कोई असर नहीं हुआ क्योंकि गणमान्य व्यक्ति लगातार मैदान में जमा होते रहे। विडम्बना यह थी कि उन्हें ढूंढने का सबसे आसान तरीका था राज्य के खेल मंत्री अरूप बिस्वास को देखना जो सफेद कुर्ता–पायजामा और जवाहर कोट पहने हुए दूर से ही पहचाने जा रहे थे।

तृणमूल, भाजपा और कांग्रेस ने मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान अराजकता को लेकर आयोजकों पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के सॉल्टलेक स्टेडियम में शनिवार को फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान अराजकता फैलने के बाद पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आयोजकों पर हमला बोला।

टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक बयान में कहा कि आयोजकों व उनके करीबी लोगों की अत्यधिक उत्सुकता और मेस्सी के साथ सेल्फी लेने की उनकी कोशिशों की वजह से दर्शक सही तरह से फुटबॉलर को नहीं देख पाए, जिसकी वजह से वे नाराज हो गए। टीएमसी के राज्य महासचिव ने कहा, ''इस अव्यवस्था के लिए आयोजकों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों न की जाए? कोई उचित योजना क्यों नहीं थी? अफरा–तफरी क्यों मची? इसी कारण मेस्सी को स्टेडियम छोड़ना पड़ा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री भी राज्य की जनता की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उपस्थित नहीं हो सकीं।

घोष ने इस घटना को राज्य के खेल प्रेमियों के लिए बड़ा निराशाजनक बताया और कहा, 2011 में जब मेस्सी पहली बार स्टेडियम आए थे, तब कार्यक्रम बहुत अच्छी तरह से आयोजित किया गया था। मुझे याद है कि एक मैच हुआ था और मेस्सी ने प्रेस गैलरी में मेरी सीट के पास 50 मीटर की दूरी से कॉर्नर किक लगाई थी। सब कुछ बहुत सुचारू रूप से हुआ था और तब कोलकाता का मान बढ़ा था। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि कुछ ठगों ने, पैसों की लालसा में, यह स्थिति उत्पन्न की। उन्होंने कहा कि इस अव्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार पर है और टीएमसी नेताओं ने लालची आयोजकों को बढ़ावा दिया, जो स्वयं प्रचार में व्यस्त थे। टिकट खरीदने वाले लोगों को मेस्सी को सही तरीके से देखने से वंचित किया गया। भट्टाचार्य ने कहा कि इस घटना ने राज्य की छवि धूमिल की है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुकांत मजूमदार ने इस अराजकता के लिए टीएमसी और राज्य प्रशासन की कड़ी आलोचना की।

मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर पुलिस ने राज्य के चूड़ाचांदपुर जिले में तलाश अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि खुगा बांध क्षेत्र में शुक्रवार को चलाए गए तलाश अभियान के दौरान स्थानीय रूप से निर्मित राइफल, पिस्तौल की तीन मैगजीन, एक बम, एक ग्रेनेड, दो वायरलेस सेट, चार परिष्कृत विस्फोटक और अन्य हथियार बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाश अभियान और घेराबंदी जारी रखे हुए हैं। मणिपुर में ढाई साल पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से ही तलाश अभियान जारी हैं। मेइती और कुकी–जो समुदायों के बीच मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों अन्य बेघर हुए हैं।

इस साल फरवरी में एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित रखा गया है।

जबरन वसूली के विरोध में इंफाल घाटी में बंद रहे पेट्रोल पंप

इंफाल/भाषा। मणिपुर की इंफाल घाटी में जबरन वसूली के विरोध में शनिवार को पेट्रोल पंप बंद रहे। इंफाल पश्चिम जिले के कोइरेंगई में एक पेट्रोल पंप के पास हथगोला मिलने की घटना के कुछ दिनों बाद यह बंद आयोजित किया गया। एक पेट्रोल पंप मालिक ने कहा कि जबरन वसूली की मांग पूरी न करने पर धमकी के तौर पर वहां हथगोला रखा गया था। उन्होंने कहा, पेट्रोल पंप जन सेवा से जुड़े उद्यम हैं और इन्हें निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। जबरन वसूली से पेट्रोल पंप मालिक दिवालिया हो सकते हैं और जन सेवा प्रभावित हो सकती है।

अधिकांश खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार हैं : वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 शृंखला फिलहाल 1–1 से बराबरी पर है । तीसरा मैच रविवार को यहां खेला जायेगा । अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है । तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है । उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं । मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो ।'' उन्होंने कहा ,'' हर टीम को लगता

है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं ।''

तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिये जाते हैं । उन्होंने कहा ,'' एक मैच खराब हो सकता है । अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया । यह हालात पर निर्भर करता है ।'' उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है । उन्होंने कहा ,'' मैं यहां पहले भारत के लिये अंडर 19 शृंखला खेल चुका हूं । हम विकेट को देख रहे हैं और लगता है कि काफी रन बनेंगे ।''

शाम सात बजे शुरू होने वाले मैच में ओस की भूमिका के लिये टीम मानसिक तौर पर तैयार है ।

तिलक ने कहा ,'' टॉस हमारे हाथ में नहीं है । हम ओस की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार हैं और हल्की गीली गेंद से अभ्यास किया है । यहां मौसम काफी ठंडा है लेकिन हम शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार हैं । मानसिक रूप से मजबूत लोग हर जगह जीतते हैं ।''

सुविचार

आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत तथा पुरातन हैं। शरीर के मारे जाने पर वह मारी नहीं जाती।

ट्वीट

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आज सभी को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई। 'सुरक्षित सड़कें, सुरक्षित जीवन' हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। आइए, नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

-भजनलाल शर्मा

जनसेवा को समर्पित राजस्थान सरकार के एतिहासिक 2 वर्ष पूर्ण होने पर आज ब्यावर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम व प्रेस ब्रीफिंग में सहभागिता कर देवतुल्य जनता व पत्रकार बंधुओं को संबोधित किया।

-दिया कुमारी

कहानी

दहलीज

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

शहर की ऊँची इमारतों के बीच एक तंग गली थी और उसी गली में एक छोटी-सी किराने की दुकान थी। उसकी लकड़ी की दहलीज समय के साथ इतनी घिस चुकी थी कि अब चमकने लगी थी। ठीक वैसे ही जैसे उसके पैंतालीस वर्षीय मालिक प्रकाश की थकी हुई उम्मीदें जो सालों की जद्दोजहद में फीकी पड़ गई थी। उसकी ज़िंदगी सुबह दुकान खोलने से शुरू होती और रात को हिसाब-किताब लगाने के बाद खत्म होती। मेहनत उसकी पहचान थी, मगर उसके भीतर कहीं एक गहरी रिक्तता हर रोज़ उसे कचोटती रहती थी।

प्रकाश की माँ, जो अब इस दुनिया में नहीं थी, अक्सर कहती थीं, बेटा, शादी तो सबको एक दिन करनी ही पड़ती है, लेकिन समय पर हो जाए तो अच्छा लगता है। प्रकाश मुस्कुरा कर टाल देता था। युवावस्था में उसके बहुत से सपने थे, महत्वाकांक्षाएँ थीं। वह अपनी दुकान को बड़ा करना चाहता था, एक नाम कमाना चाहता था। शादी का विचार हमेशा से उसकी प्राथमिकता सूची में नीचे ही रहा। जब तक उसे अहसास हुआ, 'सही उम्र' की ट्रेन पीछे छूट चुकी थी। उसके दोस्त जो कभी उसके साथ क्रिकेट खेलते थे, अब अपने बच्चों को कॉलेज भेजने की बात करते थे। उनकी पत्नियाँ कभी-कभार उसकी दुकान पर आतीं। राशन लेते समय सहानुभूति भरी नज़रों से देखतीं और यही बोलतीं कि प्रकाश भैया, अब आप भी शादी कर ही लो? वह हमेशा की तरह एक ही जवाब देता, हाँ, बहन जी, जब भगवान की मर्ज़ी होगी तो हो ही जाएगी।

एक दिन, उसके दुकान पर एक नई लड़की आई काम करने। नाम रितु था और वह करीब पच्चीस साल की थी- चंचल और हंसमुख। उसके आने से दुकान में एक नई रौनक आ गई थी। रितु के सवाल सीधे और बिना लाग-लपेट के होते थे। उसने भी यही सवाल जड़ दिया प्रकाश भैया, आप शादी क्यों नहीं कर लेते?

उसके सवाल ऐसे थे, जैसे रिश्ते सामने बिखरे पड़े हैं और मैं उन्हें उठाने में देरी कर दी हो। उसने हल्की मुस्कान के साथ कहा, कैसे कर लूँ, रितु? सामने कोई पार्टी हो तब तो?

रितु ने पलट कर कहा, पार्टी यूँ ही नहीं आती भैया, कोशिश भी करते रहना चाहिए।

उसकी बात ने प्रकाश को सोचने पर मजबूर कर दिया था। क्या सच में उसने कभी कोशिश की थी? या वह अपनी दुकान और अपनी दुनिया में ही खोया रहा अब तक?

उसने कभी किसी लड़की से खुलकर बातें नहीं की थी। कभी किसी से अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाया था। संकोच और समाज के डर ने उसे हमेशा पीछे धकेलता रहा था। उसे लगता था कि अब इस उम्र में उससे शादी कौन करेगा?

कुछ दिनों बाद, रितु एक प्रस्ताव लेकर आई। भैया, मेरी एक मौसी हैं। वह भी अकेली हैं और अच्छी पढ़ी-लिखी हैं। उम्र करीब चालीस होगी, क्या मैं उनकी बात चलाऊँ?

प्रकाश का दिल एक पल के लिए ज़ोर से धड़का। उसकी उम्मीदों को एक डोर मिल गई थी जैसे। फिर भी, उसे लगा जैसे उसके अंदर का बूढ़ा आदमी फुसफुसा रहा हो, अब क्यों कर रहा शादी? क्या फायदा? वो लड़की तेरी उम्र से काफी छोटी है। उसकी भी तो उम्मीदें होंगी, उसके बहुत सारे सपने होंगे, उन्हें पूरा कर पायेगा तू?

नहीं, रितु। रहने दो, प्रकाश ने कहा, अब इस उम्र में मुझे यह सब शोभा नहीं देता।

रितु ने हँसते हुए कहा, प्यार की कोई उम्र नहीं होती, भैया! और खुशी की भी नहीं।

रितु हार मानने वालों में से कहाँ थी। उसने चुपके से अपनी मौसी की तस्वीर प्रकाश के फोन पर भेज दी। मौसी का नाम मीना था। उसने तुरंत तस्वीर देखी। सादगी लिबास में भी वह अव्वल लग रही थी। उसकी आँखों में एक आकर्षण था। प्रकाश ने वह तस्वीर बार-बार देखी। उसे लगा कि मीना की आँखों में भी शायद वही इंतज़ार था, जो आज उसकी आँखों में है।

एक दिन, दुकान बंद करने का समय हो चला था, तभी रितु ने प्रकाश को नजदीक बुलाया। रितु ने प्रकाश को धीरे से बताया कि उसने मीना मौसी को आपके बारे में सब कुछ बता दिया है और वह आपसे मिलना चाहती हैं। प्रकाश घबरा गया। उसकी हथेलियाँ पसीने से भीग गईं। उसे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे वह आज कोई टीनएज लड़का हो जो पहली बार किसी लड़की से मिलने जा रहा हो।

अगले हफ्ते, रितु ने एक कॉफी शॉप में उनके मुलाकात का दिन तय कर दी थी। प्रकाश ने अपने सबसे अच्छे कपड़े पहने, जो उसने सालों से किसी शादी में जाने के लिए बचा कर रखे थे। शीशे के सामने खड़ा होकर उसने खुद को देखा। उसके बाल कुछ कम हो गए थे, चेहरे पर झुर्रियाँ गहरी हो गई थीं और कनपट्टियों में उजालापन उग आया था। क्या वह सच में अब भी किसी को आकर्षित कर सकता है?

कॉफी शॉप में मीना समय से पहले ही पहुँच चुकी थी। उन्हें देखते ही प्रकाश की घबराहट थोड़ी और बढ़ गई। मीना वैसी ही थीं जैसी तस्वीर में दिख रही थीं - मासूम और शालीन।

शुरुआत में बातचीत थोड़ी अटपटी रही। दोनों ही अपनी ज़िंदगी के उस पड़ाव पर थे जहाँ उन्हें लगा था कि शादी की संभावना खत्म हो गई है। मीना एक स्कूल में टीचर थी। उसने भी ज़िंदगी में पहले अपने कैरियर पर ध्यान दिया था और कभी किसी 'सही' रिश्ते में नहीं बँध पाई थीं अब तक।

मुझे लगा था कि अब शादी की मेरी 'एक्सपायरी डेट' निकल चुकी है, मीना ने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

प्रकाश को लगा जैसे मीना ने उसके दिल की बात कह दी हो। मुझे भी यही लगा था, उसने धीरे से कहा। मुझे तो लगता था कि मैं अब अकेला ही बूढ़ा हो जाऊँगा।

जैसे-जैसे वे बातें करते गए, उन्हें लगा कि उनके विचार, उनकी परेशानियाँ और उनकी उम्मीदें बहुत कुछ मिलती-जुलती थीं। दोनों ही ज़िंदगी के ऐसे पड़ाव पर एक साथी की तलाश में थे, एक ऐसे साथी की जो उन्हें समझे, उनकी आदतों को स्वीकार करे और उनके राह में साथ-साथ चले। उन्हें एहसास हुआ कि यह केवल प्यार नहीं था, बल्कि एक गहरी समझ वाले साथी की तलाश थी।

मीना ने बताया कि कैसे उनके कुछ दोस्त उनसे कहते थे कि मीना, तुम शादी क्यों कर रही हो? आज़ाद पंछी की तरह रहो बिंदास। लेकिन ऐसी आज़ादी का क्या फायदा जब बांटने के लिए कोई सामने ना हो? मीना ने अपने विचार रखे।

प्रकाश ने सहमति में सिर हिलाई। उसने महसूस किया कि उसकी दुकान, उसके पैसे और उसकी एकांत ज़िंदगी अब उसे अधूरा लगने लगी थी।

उनकी मुलाकातें जारी रहीं। हर मुलाकात के साथ, प्रकाश और मीना के बीच एक अदृश्य बंधन बनता चला गया। उन्हें एक-दूसरे में वह सुकून मिला जिसकी उन्हें सालों से तलाश थी। उन्हें लगा कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और 'सही समय' तब होता है जब दो लोग एक-दूसरे के लिए तैयार हों।

कुछ महीने बीत गए। एक दिन प्रकाश ने मीना के सामने अपनी शादी का प्रस्ताव रख ही दिया। यह कोई फिल्मी प्रस्ताव नहीं था, न घुटनों पर बैठना था। बस वह अपनी दुकान की दहलीज पर खड़ा था। मीना की आँखों में झाँकते हुए बोला, मीना, क्या तुम मेरी ज़िंदगी की बाकी की दुकानदारी में मेरा साथ दोगी?

मीना की आँखों में आँसू थे, लेकिन उनके चेहरे पर एक गहरी शांति और खुशी थी। हाँ, प्रकाश्श मैं तैयार हूँ।

शहर की पुरानी गलियों में, जहाँ लोगों ने प्रकाश को सालों से अकेला देखा था, उसके जीवन में भी एक नई खुशी की लहर दौड़ गई थी। दुकान पर अब रितु के साथ मीना भी बैठने लगी थी। उसकी दुकान की पुरानी दहलीज पर अब एक नई मुस्कान थी।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

पहाड़ के पार

'पहाड़ के पार एक एक राक्षस रहता है। उसकी सीमा में प्रवेश करने वालों को वह खा जाता है।' बचपन में सुनी कहानियों में प्रायः इस राक्षस का उल्लेख मिलता है। बालमन यों भी कच्चा होता है। जो उकेरा गया, वह अंकित हो गया। यह अंकित डर जीवनभर पहाड़ लांघने नहीं देता। मज़े की बात यह है कि पहाड़ के उस पार रहने वालों के बीच, इस पार के राक्षस के किस्से हैं। इस पार हो या उस पार, पार उतरने वाले नगण्य ही होते हैं।

पहाड़ भौगोलिक संरचना भर है। जलवायु को अधिनियमित करने और प्रकृति के संतुलन के लिए पहाड़ होना चाहिए, सो है। पहाड़ को पार किया जा सकता है। थोड़ा अपभ्रंश का सहारा लिया जाए तो पहाड़, पहार, पार...! जिन्हें पार किया जा सकता है, वे ही पहाड़ हैं। ये बात अलग है कि पृथ्वी पर के पहाड़ों की सफल चढ़ाई करनेवालों में भी बिरले ही हैं जो मन का पहाड़ पार कर पाए हों।

मन के पहाड़ कई प्रकार के होते हैं। वर्जना से ग्रस्त, लांछना से भयभीत। वर्जना और लांछना, वांछना से दूर करते हैं। परिणामस्वरूप खंडित व्यक्तित्व जन्म लेने लगता है। किसी कार्य के संदर्भ में एक उपासिका से मिलने गया। वे प्रवचन कर रही थीं। प्रवचन उपरांत चर्चा हुई। कुछ पृष्ठ मैंने उन्हें दिये। पृष्ठ देते समय उनकी अंगुली से स्पर्श हो गया होगा। मुझे तो पता भी नहीं चला पर वे असहज हो उठीं। सहज होने में कुछ समय लगा। पता चला कि पंथ के नियमानुसार उपासिका के लिए पुरुष का स्पर्श वर्जित है।

सत्य तो यह है कि स्त्री या पुरुष का क्रमशः पुरुष या स्त्री से स्पर्श एक विशिष्ट भाव जगाता है, यह वर्जना उनके अभ्यास में कूट-कूट कर भर दी गई थी। धर्म के पथ पर जिस ईश्वर की आराधना की जा रही है, अधिकांश पंथों में वह पुरुष देहाकार ही है। पुरुष होना दैहिक रचना है, पिता, भाई, मामा, चाचा, ताऊ, दादा, नाना, पुत्र या पति होना आत्मिक भाव है। स्पर्श के पार का राक्षस उपासिका के मन में बसा दिया गया था। फलतः उनके चेहरे पर कुछ देर असहजता छलकी था।

मनुष्य का सामर्थ्य अपार है, बस वह पार जाने का मन बना ले। साथ चाहिए तो एक समर्थ मित्र, गुरु या मार्गदर्शक चुने। मार्गदर्शक भी ऐसा जो आगे नहीं, साथ चले। जिसके सानिध्य में एक निश्चित दूरी के बाद पथिक को भी मार्ग का दर्शन होने लगे। मार्गदर्शन होने लगे तो पहाड़ के पार जाना कौनसा पहाड़-सा काम है!

बोध कथा

अजूबा

अनन्त शर्मा 'अनन्त'

'अरे तुम्हारी औकात क्या है? तुम्हारी शादी तो किसी स्कूटर मैकेनिक से होनी चाहिए। अरे बेड़ा गर्क हो उस शंभू का जिसने तुझ जैसी का रिश्ता लेकर मेरी मां के कान भरे। उस मुए ने ऐसा तेरा गुणगान किया कि मेरी मां तो फिदा ही हो गई तुम पर।' अमिता और राहुल दोनों का झगड़ा हमेशा इसी बात पर रहता। 15 साल हो गए थे उन दोनों की शादी को, परंतु वह बच्चों की तरह लड़ते-झगड़ते। बहस करते एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश करते। बात-बात पर बहस करते, कभी-कभी तो बहस इतनी लंबी खिंच जाती कि पूरी-पूरी रात बीत जाती। उनकी बहस ही खत्म न होती। दोनों एक-दूसरे से प्रतियोगिता करते कि कहीं वह पीछे न छूट जाएं। पहले तो लोगों ने सोचा, राहुल शराब बहुत पीता है। आखिर पति-पत्नी के बीच लड़ाई की कोई वजह तो होनी चाहिए। 90 प्रतिशत घरों में यही देखा है कि पत्नी की शिकायत रहती है कि पति बहुत शराब पीता है। शराब पी कर बहुत झगड़ा करता है परंतु इस प्रकार के पति-पत्नी तो शायद इस दुनिया में कुछेक दम्पतियों में थे, जिनके पास लड़ाई करने का कोई कारण न था। मोहल्ले वाले तंग थे उन दोनों के रोज-रोज के झगड़े से। अमिता की पड़ोसन संगीता बोली, 'बहन एक बात तो बताओ, तुम दोनों इतना क्यों लड़ते हो? क्या राहुल जी नशा करके तुम्हें पीटते हैं?'

अमिता बोली, 'बहन यही तो बात है कि वह पीते नहीं। आदमी शराब पी कर झगड़ा करते हैं परंतु मेरे पति शराब बिलकुल नहीं पीते।' संगीता बड़ी हैरान हुई, 'अच्छा फिर किसलिए लड़ते हो?' अमिता बोली, 'बहन क्या बताऊं? हम इस धरती के ऐसे विचित्र प्राणी हैं जिनको एक-दूसरे की शक्ल पसंद नहीं। जैसे ही हम इकट्ठे होते हैं हम एक-दूसरे से लड़ने लगते हैं। मुझे तो लगता है हमारे दोनों के शरीर में से एक हवा निकलती है जो एक-दूसरे के दिमाग में उत्तेजना पैदा करती है जिससे दोनों लड़ना शुरू कर देते हैं।' संगीता हैरान होकर बोली, 'तो बहन बिलकुल ठीक कह रही हो तुम। क्या सचमुच ऐसा ही है? तब तो अजीब बीमारी है। कोई कारण नहीं तब भी तुम लड़ते जाते हो? तुम्हें तो किसी मनोचिकित्सक के पास दिखाना चाहिए।'

इसी तरह का जवाब राहुल को भी मिलता। राहुल को भी पता चल गया था कि जब दोनों में से लड़ाई-झगड़ने का कोई कारण नहीं तो वह क्यों लड़ते हैं। न गृहस्थी के झगड़े चल ही रहे थे। न तो वह दंपति एक-दूसरे को तलाक देते थे न ही अलग होने की सोचते। कई बार वह सोचते कि वह एक-दूसरे से कभी नहीं झगड़ेंगे। वह प्रण करते परंतु ढाक के वही तीन पात। जब भी वह एक-दूसरे के सामने पड़ते, उनके बीच बड़ी-बड़ी जबरदस्त लड़ाई हो जाती।

ज़िंदगी के झगड़े इसी तरह चल रहे थे कि समय कब उड़ता गया पता ही नहीं चला। पंद्रह साल हो गए थे दोनों की शादी को, परंतु दोनों को एक भी ऐसा दिन नसीब नहीं हुआ था जब दोनों का झगड़ा न हो। समय बीतता चला गया। पांच सालों के बाद परेश का जन्म हुआ। एक वर्ष के बाद जब उन दोनों को कोई खुशी प्राप्त नहीं हुई तो वे दौड़े-दौड़े डाक्टर के पास गए। स्त्रीरोग विशेषज्ञ बोली, 'पहले दोनों के सभी टेस्ट करवाने पड़ेंगे।' दोनों के सभी टेस्ट किए गए। दोनों के सभी टेस्ट ठीक पाए गए। डाक्टर अनुभवी थी, बोली, 'देखो राहुल व अमिता, जब दोनों के पूरे टेस्ट ठीक होते हैं तो फिर भी बच्चा नहीं होता तो हम कहते हैं कि दिमाग में कोई तनाव है जिससे पत्नी गर्भवती नहीं हो रही।' खैर, वह लड़ते रहे। बच्चे के लिए प्रयत्न करते रहते। आखिर पांच सालों के प्रयास से उन दोनों को संतान-सुख का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कुछ पल की खुशियां थीं। फिर उनका लड़ना शुरू हो गया था। जिनके मां-बाप लड़ते रहते हों उनके बच्चे मुरझाए से रहते थे। यही हाल परेश का था। परेश मुरझाया-सा रहता। मुंह लटका-सा रहता।

इन्ही दिनों अमिता की पड़ोसन संगीता का देहांत एकाएक हो गया। अमिता का मन एकाएक संसार से विरक्त हो गया। 'क्या रखा है दुनिया में, क्यों लड़ते-झगड़ते हैं लोग एक-दूसरे से? जब एक दिन मरना है तो इतनी लड़ाई-झगड़े का क्या फायदा?' अमिता का मन बहुत खराब हो गया। अमिता और राहुल दोनों श्मशान संगीता के शव के साथ गए। राहुल सोचने लगा, 'क्यों लड़ते हैं, इस संसार में सब नाशवान है तो हम क्यों लड़ते हैं? यह पति-पत्नी भी एक अजीब किस्म का रिश्ता है। लड़ाई-झगड़ा, प्रेम-प्यार आदि का एक अजीब संयोग।' अमिता बहुत डिप्रेशन में आ गई। राहुल को कहने लगी, 'क्या ज़िंदगी है मेरी? मेरी तो किस्मत ही फूट गई थी तुम्हारे साथ शादी करके।' बस फिर क्या था? दोनों में लड़ाई शुरू हो गई। दस साल का परेश गुमसुम बैठा था। बोला, 'ममी-पापा लड़ो मत, मेरा सिर दर्द हो रहा है।' परंतु दोनों के सिर पर शैतान सवार था। दोनों अभी भी लड़ने में व्यस्त थे। राहुल ने देखा कि परेश की आंखें मूंद गई और परेश बेहोश हो गया। परेश उन दोनों की जान था।

परियां बनी तितलियां

एक बार की बात है। परिस्तान की सात सुंदर परियाँ धरती की सैर पर निकलीं। परिस्तान एक ऐसा स्थान है जहाँ केवल परियाँ, जादू और खुशियाँ ही रहती हैं। वहाँ न दुख होता है, न रोना, न शो। लेकिन धरती की सुंदरता की बातें परियाँ अक्सर सुना करती थीं। इस बार उन्होंने सोचा, चलो धरती की सैर करें! वे सातों परियाँ धरती पर उतर आईं। जैसे ही उन्होंने धरती को देखा, वे हैरान रह गईं। चारों तरफ हरियाली थी। बड़े-बड़े पेड़, रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाग, कल-कल करते झरने, नीला आसमान, पहाड़ों की चोटियाँ, और खुले खेतों में लहराते सोने जैसे गेहूँ धरती सचमुच बहुत सुंदर थी! जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते-फाँदते इधर-उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे-धीरे उड़ रहे थे।

परियों को सबसे ज़्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग-बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया। परियों ने एक जादू किया और खुद को तितलियों में बदल लिया। अब वे भी रंग-बिरंगी पंखों वाली तितलियाँ बन चुकी थीं कोई नीली, कोई लाल, कोई पीली, कोई हरी! वे फूलों पर बैठतीं, फिर उड़ जातीं, कभी गुनगुनातीं, कभी झूले जैसी पत्तियों पर झूल जातीं। हर दिन वे उस बगीचे में आकर तितलियाँ बन जातीं और खेलती रहतीं। यह उनका रोज़ का काम बन गया था धरती पर आओ, तितली बनो, खेलो और गुनगुनाओ। एक दिन की बात है। बगीचे में एक छोटा सा बच्चा आया, जिसका नाम हरजोध था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु बच्चा था। वह फूलों के बीच खेल रहा था, तभी उसकी नजर एक खास तितली पर पड़ी। यह वही तितली थी, जो असल में परी थी सबसे सुंदर, सबसे चमकीले पंखों वाली! हरजोध ने बिना सोचे समझे झट से उसे पकड़ लिया। तितली-परी को बहुत डर लगा। वह सोचने लगी, अगर हरजोध ने मुझे कभी नहीं छोड़ा, तो मैं परियों के देश कैसे लौट पाऊँगी? पर वो कुछ कह नहीं सकती थी वो तो अभी तितली के रूप में थी। लेकिन हरजोध को ऐसा लगा जैसे तितली कुछ कह रही हो, जैसे उसकी आँखों में एक खास बात हो। उसने तितली को ध्यान से देखा और बोला, क्या तुम आज़ाद होना चाहती हो? तितली ने पंख धीरे से फड़फड़ाए, जैसे हाँ कह रही हो। हरजोध को समझ आ गया कि इस सुंदर तितली को उड़ना पसंद है। वह मुस्कराया और बोला, जा तितली, उड़ जा। तुम्हें आज़ाद रहना चाहिए। जैसे ही उसने तितली को छोड़ा, तितली फौरन उड़ गई, पर थोड़ी देर बाद उसने हवा में एक गोल चमकदार गोला बनाया, जो धीरे-धीरे आसमान में गायब हो गया।

उसी रात हरजोध को एक बहुत ही सुंदर सपना आया। उसके सामने वही तितली आई, लेकिन अब वह तितली नहीं, एक परी बन चुकी थी! उसके लंबे बाल, चमकदार पंख और मुस्कराता चेहरा देखकर हरजोध बहुत खुश हुआ। परी ने मुस्कराकर कहा, हरजोध, तुमने मुझे आज़ाद किया, इसलिए मैं तुम्हें एक खास तोहफा देने आई हूँ। पलक झपकते ही परी ने अपने जादू से हरजोध को हवा में उड़ाया, और वे दोनों एक चमकदार रास्ते पर उड़ते हुए परियों की दुनिया परिस्तान पहुँच गए। वहाँ सब कुछ चमक रहा था। रंग-बिरंगे फूल, झीलों का मीठा पानी, और चारों ओर उड़ती परियाँ। परी ने हरजोध को वहाँ के फल खाने को दिए जैसे मीठे आम, रस भरे अनानास, और जादुई सेब, जिनका स्वाद उसने पहले कभी नहीं चखा था। फिर परी ने एक प्याले में दूध दिया, जो बिल्कुल सफेद और झिलमिलाता था। हरजोध ने जैसे ही एक घूंट पिया, उसे लगा जैसे वह उड़ने लगा हो वो दूध सचमुच अमृत जैसा था। हरजोध वहाँ बहुत देर तक खेला, नाचा, गाया और परियों से दोस्ती की। फिर परी ने कहा, अब तुम्हें वापस जाना होगा, लेकिन याद रखना, जब भी तुम किसी को आज़ाद करोगे, किसी की मदद करोगे, हम परियाँ तुम्हारे साथ होंगी।

हरजोध की आँख खुली, तो वह अपने बिस्तर पर था। उसे लगा जैसे वो सपना था, लेकिन तभी उसकी तकिये के पास एक चमकदार पंख रखा हुआ था वही पंख जो परी के तितली रूप में था। हरजोध समझ गया कि वह सपना नहीं था। वह सच था। और अब से वह हमेशा जानवरों, पक्षियों और तितलियों की रक्षा करेगा। उस दिन के बाद हरजोध बगीचे में रोज़ जाता, लेकिन तितलियों को पकड़ता नहीं उन्हें देखता, उनके साथ गुनगुनाता और मुस्कराता। क्योंकि अब वह जान गया था हर तितली में एक परी हो सकती है।

वीर गाथा

सूबेदार मोहनराम : गोलियों की बौछार में ग्रामीणों के लिए बने रक्षक

सूबेदार मोहनराम का जन्म राजस्थान में डीडवाना के खाखोली गांव के पास स्थित बुगालियों की ढाणी में हुआ था। माता जेता देवी और पिता भेरा राम के बेटे मोहनराम भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट की 20वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं। वे जनवरी 2024 से अपने जवानों के साथ मणिपुर के एक गांव में तैनात थे। उन्हें टुकड़ी के सेकंड-इन-कमांड की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। 13 फरवरी को सुबह 10 बजे उग्रवादियों ने निकटवर्ती दो गांवों पर हमला किया। वे उन गांवों को पूरी तरह जलाना और ग्रामीणों को मौत के घाट उतारना चाहते थे।

सूचना मिलते ही सूबेदार मोहनराम साथी जवानों की टीम लेकर एक गांव के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचने पर पता चला कि उग्रवादियों ने भारी उपद्रव मचाया है, जिससे डरकर ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए झाड़ियों में छिप गए थे।

सूबेदार मोहनराम ने सबसे पहले ग्रामीणों को बाहर निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाना शुरू किया। उधर, उग्रवादी गोलीबारी कर रहे थे। इस दौरान मोहनराम को भी गोली लगी। उनके शरीर से खून बह रहा था, लेकिन उन्होंने ग्रामीणों की मदद करना जारी रखा। सूबेदार मोहनराम ने अपनी जान जोखिम में डालकर 38 लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया।

उन्होंने दिखा दिया कि भारत मां का सैनिक जहां रणभूमि में दुश्मन से मुकाबला करता है, वहीं जरूरत पड़ने पर देशवासियों के लिए अपनी जान की बाजी भी लगा देता है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वाराणसी में शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के रेनोवेशन की चौथी सालगिरह पर भगवान के रूप में सजे कलाकार जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

स्कूली बच्चों में नशीले पदार्थों और धूम्रपान की आदत अपनाने की औसत आयु लगभग 13 वर्ष

नयी दिल्ली/भाषा

एम्स के विभिन्न शहरों में किए गए एक सर्वेक्षण में पता चला है कि स्कूली बच्चे नशीले पदार्थों और धूम्रपान की आदतें अपना रहे हैं और शराब का सेवन कर रहे हैं। इन हानिकारक पदार्थों के सेवन की औसत आयु लगभग 13 वर्ष पाई गई है, जो प्राथमिक विद्यालय स्तर से ही शुरुआती हस्तक्षेप की आवश्यकता को दर्शाती है। अध्ययन के निष्कर्षों से यह भी पता चला कि छात्रों के उच्च कक्षाओं में जाने पर मादक पदार्थों का सेवन बढ़ जाता है, और कक्षा 11वीं/12वीं के छात्रों द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन की रिपोर्ट करने की संभावना कक्षा आठवीं के छात्रों की तुलना में दोगुनी होती है। इससे माध्यमिक और उच्च विद्यालय स्तर पर निरंतर रोकथाम और हस्तक्षेप के महत्व पर बल मिलता है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राष्ट्रीय नशा मुक्ति उपचार केंद्र की डॉ. अंजू धवन के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन को इस महीने 'नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया' में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में विभिन्न क्षेत्रों में किशोरों द्वारा मादक पदार्थों के सेवन का विश्लेषण किया गया है।

इस सर्वेक्षण में बेंगलुरु, चंडीगढ़, दिल्ली, डिब्रूगढ़, हैदराबाद, इंफाल, जम्मू, लखनऊ, मुंबई और रांची सहित 10 शहरों के सरकारी, निजी और ग्रामीण विद्यालयों में कक्षा आठवीं, नौवीं, 11वीं और 12वीं के 5,920 छात्र शामिल थे। मई 2018 से जून 2019 के बीच ये आंकड़े एकत्र किए गए। किसी भी नशीले पदार्थ के सेवन की शुरुआत की औसत आयु 12.9 वर्ष थी। यह सूंघने वाले नशीले पदार्थों (11.3 वर्ष) के लिए सबसे कम थी, उसके बाद हेरोइन (12.3 वर्ष) और ओपिओइड फार्मास्यूटिकल्स (बिना डॉक्टर के पर्चे के; 12.5 वर्ष) का स्थान था।

अध्ययन में पाया गया कि कुल मिलाकर, 15.1 प्रतिशत प्रतिभागियों ने हमेशा किसी भी नशीले पदार्थ के इस्तेमाल की सूचना दी, 10.3 प्रतिशत ने पिछले वर्ष इस्तेमाल की सूचना दी और 7.2 प्रतिशत ने पिछले महीने किसी भी नशीले पदार्थ के इस्तेमाल की सूचना दी। जब प्रत्येक पदार्थ श्रेणी के लिए अलग-अलग यह सवाल किया गया, 'क्या आपको लगता है कि यह पदार्थ आपकी उम्र के व्यक्ति के लिए आसानी से उपलब्ध है?', तो लगभग आधे छात्रों (46.3 प्रतिशत) ने तंबाकू उत्पादों का समर्थन किया और एक तिहाई से अधिक छात्रों (36.5 प्रतिशत) ने सहमति व्यक्त की कि उनकी उम्र का व्यक्ति आसानी से शराब उत्पाद प्राप्त कर सकता है।

रूस के सहयोगी बेलारूस पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटाएंगे : अमेरिका

विलीनियस /एपी

अमेरिका ने रूस के सहयोगी बेलारूस के निरंकुश शासक के साथ संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए यूरोपीय देश के पोटाश पर लगी रोक को हटाने की घोषणा की। बेलारूस के लिए अमेरिकी विशेष दूत जॉन कोएल ने शुक्रवार और शनिवार को बेलारूस की राजधानी मिन्स्क में देश के तानाशाही करने वाले नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको से बातचीत की। रूस का करीबी सहयोगी बेलारूस कई वर्षों से पश्चिमी देशों के अलगाव और प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। लुकाशेंको ने तीन दशकों से अधिक समय तक 95 लाख की आबादी वाले इस देश पर कठोर शासन किया है। मानवाधिकारों का दमन और 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण में रूस को अपने क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए पश्चिमी देशों ने उसपर कई प्रतिबंध लगाए थे। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी बेल्टा ने शनिवार को बताया कि पत्रकारों से बात करते हुए कोएल ने दो दिवसीय वार्ता को बहुत ही लाभदायक बताया।

'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' की शूटिंग का अनुभव पुरानी जिंदगी में लौटने जैसा : कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने आईएएनएस से बात करते हुए अपना अनुभव साझा किया। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कृतिका ने कहा, ''शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था।''

उन्होंने कहा, ''किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है।'' कृतिका ने कहा, ''दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे ये घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो।''

फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, श्रेया धनवंतरी, जूही बब्बर, शीबा चड्ढा और डॉली अहलूवालिया अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक दिन की कहानी है। इसमें दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार को दिखाया गया है, जिसमें बानी (कृतिका कामरा) तलाकशुदा है। वह पेशे से राइटर है और अमेरिका में नौकरी करना चाहती है। इसके लिए उसे अपना प्रेजेंटेशन 12 घंटे के अंदर देना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में परिवार के लोग एक के बाद एक आने लगते हैं। बानी की बहन इरम (श्रेय धनवंतरी) भी तलाकशुदा है। वह बैंक में पैसे जमा करवाने के लिए उसे बुलाने आती है। बानी का भाई जोहेब (निशांक वर्मा) अपनी गर्लफ्रेंड पल्लवी (अनुष्का बनर्जी) के साथ आता है।

वहीं, बानी का प्रोफेसर अमिताव (पूरब कोहली) भी उसके घर पहुंचता है। घर के बुजुर्ग अक्को (फरीदा जलाल), आसिया (डॉली आहलूवालिया), साफिया (शीबा चड्ढा), और नबीला (नताशा रस्तोगी) हज पर जाने की योजना बनाते हैं। ऐसे में एक तरफ 12 घंटे की डेडलाइन है, तो दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों का शोर है। इस दौरान रिश्ते में टकराहट, हल्के-फुल्के ड्रामे और भावनात्मक सीन देखने को मिलते हैं। 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

बाहरी और आंतरिक खतरों से निपटने के लिए तैयार हैं सुरक्षा बल: मुनीर

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बल बाहरी और अंतरराष्ट्रीय तत्वों से होने वाले खतरों से निपटने के लिए तैयार है। सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मुनीर ने गुजरांवाला और सियालकोट छावनी क्षेत्रों का दौरा किया, जहां उन्हें अभियानगत तैयारियों और युद्ध तैयारियों को मजबूत बनाने से जुड़ीं प्रमुख पहलों की जानकारी दी गई। इस मौके पर उन्होंने कहा, पाकिस्तान की सेना शत्रुतापूर्ण 'हाइब्रिड' अभियान, चरमपंथी विचारधाराओं और राष्ट्रीय स्थिरता को कमजोर करने की कोशिश करने वाले विभाजनकारी तत्वों से उत्पन्न आंतरिक व बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत ने 26 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की मौत के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था।

इन हमलों के बाद चार दिन तक दोनों ओर से हमले हुए, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर आपसी सहमति कायम होने के बाद बंद हो गए।

फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर 252.70 करोड़ रुपये कमाए

नयी दिल्ली/भाषा। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक के निर्देशन के लिए प्रशंसा अर्जित कर चुके आदित्य धर ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

यह फिल्म पांच दिसंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई और इसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना और राकेश बेदी भी हैं। इस फिल्म का निर्माण धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियोज के माध्यम से जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।

वेब सीरीज 'सिंगल पापा' को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे : आयशा अहमदं

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज 'सिंगल पापा' खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, ''जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास 'सिंगल पापा' सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी।'' उन्होंने कहा, ''मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे: एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं।''

आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है। आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया।सीरीज 'सिंगल पापा' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं।

कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है: जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

मुंबई में कमरा नहीं मिलने पर जब दीप्ति नवल ने की चित्रांगदा सिंह की मदद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की चमक-दमक के बीच कई ऐसे किस्से छिपे होते हैं जो कलाकारों के संघर्ष, उनकी दोस्ती और उनके सफर को और भी खास बना देते हैं। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने भी ऐसे ही अनुभवों से गुजरकर सफलता हासिल की है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ दीप्ति नवल और रेवती जैसी बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में करियर के शुरुआती दिनों को याद किया, जिसमें दीप्ति नवल ने उनकी मदद की थी। चित्रांगदा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''जब मैं पहली बार मुंबई आई थी, तब मुझे रहने को कोई कमरा नहीं मिल रहा था। उस वक्त दीप्ति नवल ने मेरी मदद की। स्थायी रूप से मुंबई शिफ्ट होने से पहले मैं कुछ दिन उनके घर में रुकी थी। इस छोटी-सी मदद से मेरे दिल में उनकी एक खास जगह बन गई। शुरुआत से ही वह मेरी यात्रा का एक भावनात्मक हिस्सा रही हैं, इसलिए आज उनके साथ फिर से स्क्रीन साझा करना मेरे लिए बेहद खास एहसास है।''

चित्रांगदा ने कहा, जब इतने साल बाद मैंने दीप्ति नवल और रेवती जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ शूटिंग की, तो यह मेरे लिए सीखने और समझने से भरा अनुभव बन गया। एक एक्टर के तौर पर जब आपको किसी सीनियर कलाकार के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो स्वाभाविक रूप से आप उनकी शैली, उनकी बारीकियों, उनके डायलॉग बोलने के अंदाज और उनके चेहरे के हाव-भाव को और ध्यान से देखने लगते हो। मैंने सेट पर हर दिन कुछ नया सीखा और पूरे अनुभव का दिल से आनंद लिया।

दीप्ति नवल के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''मेरा उनके साथ रिश्ता सिर्फ एक सहकर्मी का नहीं, बल्कि एक निजी जुड़ाव का है। मैंने पहली फिल्म 'इंकार' में उनके साथ काम किया था। मैं उन्हें बहुत करीब से जानती हूं। सेट पर उनकी मौजूदगी मेरे लिए हमेशा सहज और भरोसे से भरी रही है, इसलिए नई फिल्म में दोबारा उनके साथ काम करना एक खूबसूरत सफर की तरह लगता है।''

चित्रांगदा ने अभिनेत्री रेवती की भी प्रशंसा की और कहा, मुझे फिल्म 'लव' का किरदार मैंगी हमेशा बेहद पसंद रहा है। जब मैं उनसे पहली बार फिल्म के सेट पर मिली, तो सबसे पहले मैंने उसी किरदार की बात की। उन्होंने भी बड़े उत्साह से उस फिल्म की शूटिंग से जुड़े किस्से सुनाए। 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' 19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

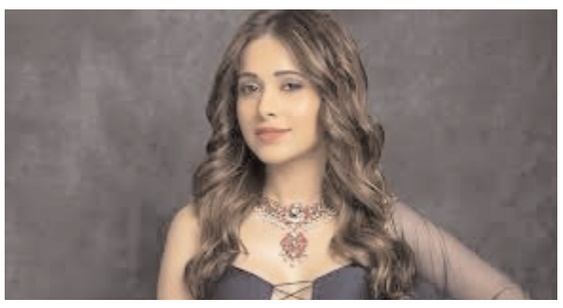

ओपोर्च्युनिस्ट होने में कोई बुराई नहीं है : नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपनी हॉरर फ्रैंचाइज़ 'छोरी' के ज़रिए एक अलग पहचान बनाई है, जहाँ उनके अभिनय की इतनी तारीफ़ हुई कि इसका दूसरा भाग भी बना, जिसने एक जोखिम लेने वाली, ईमानदार और स्पष्ट विचारों वाली कलाकार के रूप में उनकी जगह और मज़बूत कर दी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान, नुसरत ने महत्वाकांक्षा, चुनावों और अक्सर गलत समझे जाने वाले शब्द अवसरवादी पर खुलकर बात की। उन्होंने इस धारणा को बड़ी सच्चाई और परिपक्वता के साथ नया दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा, मैं भी एक अवसरवादी हूँ। अगर मुझे कोई ऐसी फिल्म का ऑफर मिलता है जिसे मैं सच में करना चाहती हूँ, तो क्यों नहीं? ज़ाहिर है मैं जाकर कहूँगी, 'हाँ, मैं यह करना चाहती हूँ।' हर कोई लाइन में इसलिए खड़ा होता है, क्योंकि उसे कुछ चाहिए होता है। और इसमें कोई बुराई नहीं है। अवसरवादी होना गलत नहीं है, लेकिन उस रास्ते पर चलते हुए आपके कदम ज़िम्मेदार होने चाहिए। यह आप ही जानते हैं, या समय के साथ सीखते हैं। मैंने अपने अनुभवों से सीखा है, और अगर मेरी सोच, मेरे मूल्य और मेरी धारणाएँ मुझे सही लगती हैं, तो वे मेरे लिए सही हैं। इंडस्ट्री में नुसरत की यात्रा उनके महत्वाकांक्षा और प्रामाणिकता के इसी संतुलन को दर्शाती है। वर्षों में, उन्होंने एक मज़बूत फिल्मोग्राफी गढ़ी है, जिसमें बड़े पैमाने की फिल्मों से लेकर दमदार, प्रदर्शन-प्रधान भूमिकाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', और 'ड्रीम गर्ल' जैसे हिट्स से लेकर 'छोरी' और 'जनहित में जारी' में उनके प्रभावशाली अभिनय तक, नुसरत ने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं, जो उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका देते हैं और व्यापक दर्शकों से जोड़ते हैं।

फिल्म 'शोले' में गब्बर बनने के लिए अमजद खान ने की खूब मेहनत, धोबी से ली थी प्रेरणा

मुंबई/एजेन्सी

क्लासिक कल्ट फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में शुक्रवार को री-रिलीज हो गई है। यह एक ऐसी ऐतिहासिक फिल्म रही, जिसके हर किरदार का अपना वजूद रहा। फिल्म के हर किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म में 'गब्बर' बने अभिनेता अमजद खान ने इस किरदार को अमर कर दिया। उन्होंने इस रोल के लिए बहुत मेहनत की थी। पर्दे पर विलेन बनकर डराने वाले 'गब्बर' असल जिंदगी में बेहद शांत और सुलझे हुए इंसान थे। अमजद फिल्म में 'गब्बर' के रोल के लिए पहली पसंद नहीं थे। अमजद खान से पहले 'गब्बर' के रोल के लिए रमेश सिप्पी ने डैनी डेन्जोंग्पा को चुना था, लेकिन वह पहले ही फिल्म 'धर्मात्मा' के लिए 'हां' कर चुके थे और उस वक्त सकारात्मक रोल निभाना चाहते थे। उन्होंने फिल्म के रिलीज के समय भी कहा था कि उन्हें 'शोले' ठुकराने का कोई अफसोस नहीं है। इसके बाद मेकर्स ने प्रेमनाथ को 'गब्बर' के रोल के लिए साइन करने की सोची, लेकिन प्रेमनाथ को लेकर शूटिंग के दौरान फैली बातों की वजह से मेकर्स नए गब्बर की तलाश में निकल पड़े।

अमजद खान और रमेश सिप्पी की पहली मुलाकात थिएटर में हुई थी। रमेश सिप्पी अपनी बहन के कहने पर अमजद खान का शो देखने पहुंचे थे। मंच पर अमजद खान की कद-काठी और चेहरे के हाव-भाव देखकर उन्हें 'गब्बर' के रोल के लिए चुना। अमजद खान के लिए ऐसी बड़ी फिल्म मिलना खुशी के साथ-साथ चुनौती भी थी। उन्होंने 'गब्बर' के किरदार को समझने के लिए बहुत तैयारी की।'गब्बर' के किरदार को जीवंत करने के लिए अमजद खान ने पिता से सलाह ली। उन्होंने अपने पिता जयंत से किरदार के बारे में बात की और उन्होंने डाकुओं पर आधारित किताबें पढ़ने की सलाह दी। अमजद ने तरुण कुमार भादुड़ी की किताब 'अभिशप्त चंबल' पढ़ी और डाकुओं के पहनावे से लेकर उनकी चाल-ढाल को समझा और डायलॉग डिलीवरी को परफेक्ट बनाने के लिए धोबी की आवाज का सहारा लिया, जो उनके घर पर आया करता था। उन्होंने 'अरे ओ सांभा' का लहजा धोबी की आवाज से प्रेरित होकर ही लिया था। वे अपने लुक को बेहतरीन बनाने के लिए दांतों को काला करते थे, जिससे उनके किरदार का लुक अच्छे से निखर कर आ सके।

यूईएफ व्यापार शिखर सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गिडी स्थित चेन्नई ट्रेड सेंटर में दो दिवसीय यूईएफ व्यापार शिखर सम्मेलन का भव्य उद्घाटन तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश प्रोत्साहन और वाणिज्य मंत्री टीआरबी राजा ने किया। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की और 'उन्नथा तमिलगम – 2047 तक तमिलनाडु के लिए 4 ट्रिलियन' के दूरदर्शी रोडमैप का अनावरण किया। कार्यक्रम में बोलते हुए कोस्टल एनर्जेन कोल एंड ऑयल ग्रुप के संस्थापक और यूईएफ के अध्यक्ष अहमद बुहारी ने कहा कि 'तमिलनाडु के लिए 4 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य न केवल राज्य के लिए बल्कि हम सभी के लिए एक सपना है, बल्कि यह दस गुना वृद्धि है। शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करना, उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करना और वैश्विक सोच रखना ही आगे बढ़ने का मार्ग है। इसकी नींव ईमानदारी और अथक प्रयासों पर टिकी है।

तमिलनाडु सरकार में उद्योग, निवेश प्रोत्साहन एवं वाणिज्य मंत्री टीआरबी राजा ने इस अवसर पर कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग द्रविड़ मॉडल का समावेशी एवं वितरणात्मक विकास है। उच्च मूल्य वाली नौकरियां, एआई-आधारित नौकरियां, अनुसंधान एवं विकास एवं उत्पाद विकास ही भविष्य हैं। विशेष रूप से नीली अर्थव्यवस्था जैसे जहाज निर्माण और साहसिक पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों या नए क्षेत्रों का विकास राज्य में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बोलते हुए अर्काट के राजकुमार और यूईएफ व्यापार शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष नवाबजादा आसिफ अली ने कहा कि व्यापार के विकास के लिए सहयोग आवश्यक है और तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जो बिना किसी भेदभाव के इसे प्रोत्साहित करता है हमें युवा पीढ़ी को भी शामिल करना चाहिए जो बहुत ही नवोन्मेषी है। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय विशिष्ट अतिथि कोस्टल एनर्जेन, कोल एंड ऑयल ग्रुप के संस्थापक और यूईएफ के अध्यक्ष अहमद बुहारी के साथ बहरीन स्थित फखरो प्लस के प्रबंध निदेशक मोहम्मद अब्दुल्ला अली फखरो अन्य विशिष्ट अतिथियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा और कोठारी इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जिन्ना रफीक अहमद सहित अन्य उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

पारसमणि है पुरुषादानीय पार्श्वनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के वीवी पुरम के मिनर्वा सर्कल स्थित पारसमणि पेरल में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी म. सा. ने भगवान पार्श्वनाथ की महिमा बताते हुए कहा कि धरती और अम्बर का वह पुण्यशाली नाम परमात्मा पार्श्वनाथ है, जिनके हजारों तीर्थ जन-जन के मानसिक कालुष्य को मिटाने का काम कर रहे हैं। पुरुषादानीय पार्श्वनाथ कभी चिन्तामणि बनकर अचिन्त्य फल प्रदान करते हैं तो कभी कल्पवृक्ष से भी अधिक कल्याणकारी सिद्ध होते हैं। कभी शंखेश्वर में मोहनिद्रा से बाहर आने का शंखनाद करते हैं तो कभी पारसमणि के रूप में सामान्य आत्मा को स्वर्णिम परमात्मा बनने का वरदान देते हैं। पार्श्वनाथ एक, स्वरुप अनेक है।

उन्होंने कहा कि भारत का एक भी कोना ऐसा नहीं, जहाँ पार्श्वनाथ के मंत्र की गूंज सुनाई न दे। एक भी मंदिर ऐसा नहीं, जहाँ पार्श्वनाथ के दर्शन न हो। कहीं कृष्णवर्ण के बिराजमान हैं तो कहीं नील या श्वेत वर्ण के बिराजमान हैं। नागेश्वर में वे खड़े खड़े ही मुक्ति का वैभव बांट रहे हैं तो नाकोड़ा, जीरावला आदि स्थानों पर बैठे-बैठे करूणा और कृपा का अमृत बरसा रहे हैं। कहीं सप्तफणा है तो कहीं शतफणा और सहस्रफणा है। कहीं चिन्तामणि है तो कहीं सोम चिन्तामणि और विजय चिन्तामणि। बिम्ब एक... प्रतिबिम्ब अनेक। रूप एक... प्रतिरूप अनेक। सागर एक... लहरें अनेक ! निश्चित ही पार्श्वनाथ की महिमा ही अलौकिक है। पौष वदि दशमी को शंखेश्वर हो, नागेश्वर हो या नाकोड़ा, अंतरिक्ष, जिरावला सैंकड़ों तीर्थों पर सामूहिक अट्ठम तप के हजारों तपस्वी नजर आते हैं तो लोगों का रेला-मेला परमात्मा के दर्शन को तरसता हुआ दृष्टि पथ में आता है। शंखेश्वर में हर पूनम को हजारों भक्तजन आते हैं और श्रद्धा का अर्घ्य अर्पण कर आनंद का अनुभव करते हैं। एक समय में पार्श्वनाथ के 108 तीर्थ भारतदेश में धर्म के धाम बने हुए थे, वह संख्या आज 1008 पार्श्वनाथ तक पहुँची है, इसमें पार्श्वनाथ के प्रति भक्तों की अपार भक्ति का ही आधार है। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद वीवी पुरम पारसमणी पेरल में दो दिवसीय स्थिरता करेंगे। रविवार को पार्श्वनाथ भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव अंतर्गत 108 उवसग्गहरं का अभिषेक होगा। जाप होंगे। गौतमचंद कांठेड, सुनील कुमार, अमित कुमार भाविक, रिषभ, हियांश, हिमांशी, ललिता बाई कमलाबाई प्रतिभा, पूनम, आदि ने सेवा का लाभ लिया। गौतमचंद कांठेड ने पधारे हुए सभी अतिथिगण का आभार व्यक्त किया।

धर्म के नाम कर अलगाववादियों से दूर रहें : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के माधावरम् स्थित एसएस जैन संघ में श्री कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को कहा कि धर्म की जाजम पर, धर्म के नाम पर और महापुरुषों की आट में नफरत फिरकापरस्त लोग अलगाव कट्टरता फैला कर कड़वाहट का माहौल बनाते है। ऐसे लोग दरिंदे और शैतान से कम नहीं है। कमल मुनिजी ने पारस जयंती की पूर्व संध्या पर संबोधित करते कहा की विश्व का कोई भी धर्म नफरत और कड़वाहट फैलाने की इजाजत नहीं देता है। ऐसा करने वाले महा पापी से कम नहीं है,वे धर्म के नाम पर जहर पिला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों के नाम पर राजनीति करने वाले स्वार्थ की रोटियां सेकने वाले शांति सद्भाव को नष्ट करते हैं। पानी में आग लगने जैसा काम कर रहे हैं। इतिहास उनको कभी माफ नहीं करेगा। मुनि कमलेश ने बताया कि राम और रहीम कोई खतरे में नहीं है। स्वार्थी लोगों की दुकान पर संकट आता है तब उनके नाम की ओट में उल्लू सीधा करने का काम करते हैं। महापुरुषों के वह सबसे खतरनाक शत्रु हैं। धर्म के नाम पर जितना खून बहा, कत्लेआम हुआ, उतना युद्ध से भी नहीं हुआ। जबकि एक कतरा खून बहाना भी कलंक और शर्मनाक घटना है। जैन संत ने कहा कि कोई भी महापुरुष किसी भी महापुरुष के अपमान करने की इजाजत नहीं देता है। राम का अपमान करने वाला, रहीम का अपमान कर रहा है और रहीम का अपमान करने वाला राम अपमान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नफरत से बड़ा कोई धर्म और पाप नहीं। सद्भाव और प्रेम से बढ़कर कोई धर्म नहीं। अराजकता फैलाने वालों का सभी धार्मिक लोग बहिष्कार करें। सरकार कार्रवाई करें। धर्मगुरु उन्हें दंड दे। तभी उस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। मुनि 'कमलेश' एवं तेरापंथ संघ के मुनि दीप कुमार का आत्मीय मधुर मिलन हुआ। समाज को एकता का आवाहन किया। दीप कुमारजी ने 'शान गौरव मुनि राकेश अभिनंदन ग्रंथ' राष्ट्रसंत को भेंट करके अभिनंदन किया। पारस जयंती तेरापंथ नगर में मुनि कमलेशजी एवं मुनि दीप कुमारजी के सामूहिक रूप में मनाएंगे। मनीष गांग, अनिल पगारिया, केतन ख़िवसरा, राकेश कुंकुलोल ने दोनों संतों का अभिनंदन किया।

'लव इन वियतनाम' ने सियोल ग्लोबल मूवी अवार्ड्स में दो पुरस्कार जीते

नयी दिल्ली/भाषा

लव इन वियतनाम ने सियोल ग्लोबल मूवी अवार्ड्स 2025 में दो पुरस्कार जीते। इसमें गंगूबाई काठियावाड़ी से प्रसिद्ध शांतनु माहेश्वरी और टीकू वेड्स शेरू में अभिनय के लिए जानी जाने वाली अवनीत कौर ने अभिनय किया है। इंडो-वियतनामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 12 सितंबर को भारत में रिलीज हुई, जिसके बाद यह आठ दिसंबर को कोरिया में भी रिलीज हुई। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित यह फिल्म हिंदी सिनेमा में भारत-वियतनाम के पहले सहयोग का प्रतीक है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म को एशिया की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला और निर्देशक काजमी ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता। यह दक्षिण कोरिया में पहली बार किसी भारतीय फिल्म और फिल्मकार द्वारा दोनों पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड है।

यह कार्यक्रम 10 दिसंबर को आयोजित किया गया था। काजमी ने एक बयान में कहा, दक्षिण कोरिया से मिला यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

यह साबित करता है कि अगर किसी कहानी को ईमानदारी से बताया जाए, तो वह दुनिया भर में लोगों के दिलों को छू सकती है। माहेश्वरी ने कहा, दक्षिण कोरिया में दर्शकों को रोते, ताली बजाते और हमारी फिल्म से इतनी गहराई से जुड़ते देखना अविस्मरणीय है। उनके प्यार ने सचमुच मेरे दिल को छू लिया है।

वितरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में नाड प्रभु कैम्पेगौड़ा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गंगाम्मा तिम्मय्या विद्या संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पौधे को जल अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बच्चे राष्ट्र का भविष्य है उन्हें अच्छे संस्कारों से पोषित करें। विद्यार्थियों ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। ट्रस्ट की तरफ से विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई । मुख्यअतिथि का सम्मान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 195 लोगों ने कराई आंखों की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से समाजिक कार्यकर्ता गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित की ओर से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मंड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 195 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद 69 लोगों के आंखों का ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय लेकर जाएंगे।

कोयम्बटूर अरविंदानेत्र चिकित्सालय में आँखों की समस्या से ग्रस्त रोगियों की निःशुल्क सर्जरी और चश्मे देंगे। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित (कालापा) ने स्वयं रोगियों की स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी सहायता की।

नई दिल्ली में शनिवार को यूनियन मिनिस्टर गिरिराज सिंह, नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में एक वर्कशॉप के दौरान ।

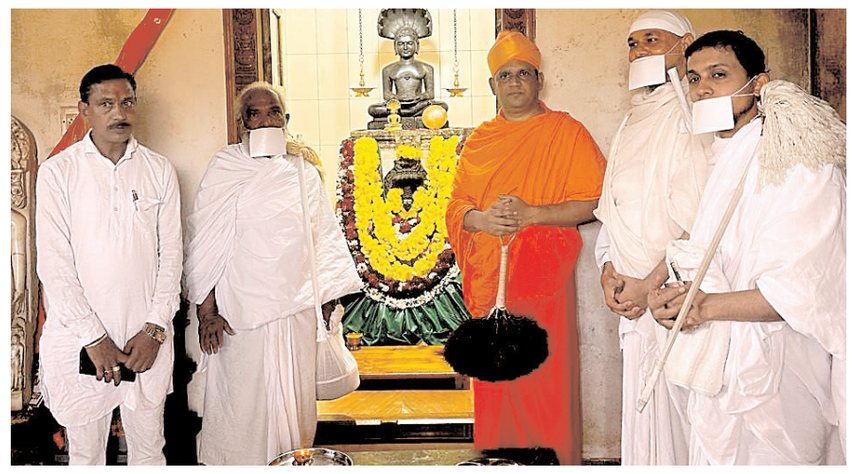

हर अनिष्ट को दूर करने वाला है अरिष्टनेमी का जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वडनवेल। डॉ. वरुण मुनिजी म. सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री पंकज मुनिजी की धर्मयात्रा बेंगलूरु से पुणे की ओर गतिमान है। गुरुदेव चित्रदुर्गा, शिवम्मोग्गा, हुंमचा पद्मावती जैन तीर्थ होते हुए वडनवेल पहुंचे। यहां स्वामीजी ने पूज्य गुरुभगवंतों का विशेष सत्कार किया और वंदन-अभिनंदन अर्पित कर श्री पार्श्व पद्मावती तीर्थस्थल में विशेष ध्यान-जप-साधना की। इसके उपरांत विहार करते हुए पूज्य गुरुदेव श्री स्वादी दिगंबर जैन तीर्थ, सोंधा में पहुंचे। जहां श्री अकलंक स्वामीजी ने उनकी मंगल अगवानी की। जैन गुरुकुल के बच्चों ने जैन ध्वज एवं मंगल कलश द्वारा पूज्य गुरुदेवों का अभिनंदन किया। नवकार महामंत्र एवं अन्य स्तोत्रों से स्वस्तिवाचन किया गया। तीर्थस्थल के इतिहास का विस्तृत परिचय भी पूज्य भट्टारक जी द्वारा प्रस्तुत किया गया। यहाँ स्थित जिनालय में 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ का अति प्रभावशाली जिनालय स्थापित है। उल्लेखनीय है कि भगवान अरिष्टनेमी, वासुदेव श्रीकृष्ण भगवान के चचेरे भाई थे। जैन आगमों के साथ-साथ वेद, पुराण और उपनिषदों में भी भगवान अरिष्टनेमी जी का विशेष उल्लेख मिलता है। वैदिक परंपरा के स्वस्तिवाचन मंत्रों में भी उनका नाम समाहित है। यहाँ माता अंबिका देवी का प्राचीन मंदिर भी विराजमान हैं, जो जाग्रत शक्तिपीठ माना जाता है।

डॉ. वरुण मुनिजी ने बताया कि जो साधक श्रद्धा-भक्ति से भगवान अरिष्टनेमी का जाप करते हैं, उनके जीवन से समस्त अनिष्ट दूर हो जाते हैं। रात्रि में प्रवचन की अविरल धारा प्रवाहित हुई, जिसका लाभ बड़ी संख्या में पटेल, जैन, गुजराती, सुथार, चौधरी, राजपूत, सीरवी तथा अनेक समाजों के बंधुओं ने बिना किसी भेदभाव के लिया। सभी ने गुरुवाणी श्रवण कर स्वयं को धन्य माना।

विश्व हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन कोयम्बटूर में 8 जनवरी को

भारतीयार एवं माखनलाल चतुर्वेदी के चिंतन पर सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में तमिल और हिंदी के बीच सेतु निर्माण करने में अग्रणी भूमिका निभाने वाली संस्था तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा आगामी 8 जनवरी 2026 को कोयम्बतूर में विश्व हिन्दी दिवस के परिप्रेक्ष्य में विशेष समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस मौके पर एक सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रकवि सुब्रमण्यम भारती और 'भारतीय आत्मा' माखनलाल चतुर्वेदी के चिंतन पर केंद्रित विषय रहेंगे। ज्ञातव्य हो कि यह दोनों ही विद्वान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरक बनने वाले रहे हैं। साहित्य के निर्माण और पत्रकारिता के मूल्यों को स्थापित करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस विषय पर देशभर से आए हुए विद्वानों द्वारा शोध पत्र पढ़ा जाएगा। सेमिनार की अध्यक्षता धामपुर हरिद्वार से पधारने वाले शैली विज्ञान विशेषज्ञ एवं हिंदी के महत्वपूर्ण वरिष्ठ विद्वान डॉ शंकर क्षेम करेंगे तथा मुख्य अतिथि डॉक्टर आशुतोष द्विवेदी, उत्तर प्रदेश संस्कृति मंत्रालय होंगे। समारोह का संयोजन तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी के संरक्षक और कोयम्बतूर के प्रभारी चंद्र प्रकाश गोयनका द्वारा किया जा रहा है। गोयनका स्वयं भी बहुत अच्छे शायर हैं और उनकी तीन पुस्तकें प्रकाशित और चर्चित हैं। अकादमी की अध्यक्ष प्रो.डॉ निर्मला एस मौर्य, पूर्व कुलपति,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर (उत्तर प्रदेश) इस पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी एवं अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण कार्यकारिणी के निर्णय को कार्य रूप देते हुए प्रबंधन में और कोषाध्यक्ष प्रणव तिवारी समारोह की तैयारी में लगे हुए हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

जश्न

केरल लोकल बॉडी इलेक्शन के वोटों की गिनती के दौरान भाजपा मेंबर तिरुवनंतपुरम में शनिवार को जश्न मनाते हुए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.